RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 261 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 19-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस का रुख 'सामंती मानसिकता' : स्मृति ईरानी

6 हवलदार जयपाल सिंहः शरीर से खून बहता रहा, लेकिन बंदूक आग उगलती रही

7 'जगधात्री' में माया का किरदार मेरे जैसा ही : सायंतनी घोष

फर्स्ट टेक

अमृतसर में 64 किलोग्राम हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने शनिवार को दावा किया कि अमृतसर में सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से 64.62 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि पंजाब सरकार के नशा-विरोधी अभियान को 64.62 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी के साथ बड़ी सफलता मिली है। पंजाब पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस शाखा और अमृतसर में राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ इस अभियान में शामिल थे। आरोपियों की पहचान सरवन सिंह उर्फ गुज्जर और शमशेर सिंह उर्फ शेरा के रूप में हुई है, दोनों अमृतसर के निवासी हैं।

'वायरल पत्र' शुभचिंतको की कारगुजारी मात्रः वसुंधरा राजे

जयपुर/भाषा। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से सोशल मीडिया पर वायरल एक कथित पत्र को लेकर विवाद खड़ा हो गया, जिसे खुद राजे ने शनिवार को 'फर्जी' बताते हुए खारिज कर दिया। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक कथित पत्र सोशल मीडिया पर सामने आया जिसमें महिला आरक्षण (संशोधन) विधेयक और परिसीमन जैसे मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रुख की कथित रूप से आलोचना की गई थी। राजे ने बिना किसी संदर्भ के 'एक्स' पर लिखा, ''सांच को आंच की जरूरत नहीं है। वायरल पत्र शुभचिंतको की कारगुजारी मात्र है।''

पूर्वी चंपारण में अवैध रूप से रह रहे 25 विदेशियों को हिरासत में लिया गया

मोतिहारी/भाषा। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने 2025 में 25 विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से देश में रहने के आरोप में हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन 25 विदेशियों में बांग्लादेशी, श्रीलंकाई और संयुक्त अरब अमीरात के नागरिक शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इन देशों में अपने समकक्षों को विदेशी नागरिकों की हिरासत के बारे में सूचित कर दिया है। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में शनिवार को पूर्वी चंपारण के रक्सौल में हुई समीक्षा बैठक के दौरान यह जानकारी सामने आई। इस बैठक में बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार, जिलाधिकारी , पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल अधिकारी, जिला भूमि अधिग्रहण अधिकारी और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

19-04-2026 सूर्यास्त 6:22 बजे	20-04-2026 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
78,493.54 (+504.86)	24,353.55 (+156.80)

सोना	चांदी
16,041 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	267,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अबूझ पहेली

परिणामों के विश्लेषण से,
कुछ की धरती धूज रही।
कुछ को आश्वासन के दम पर,
हरी-हरी ही सूझ रही।
किनका कैसे करें समर्थन,
मन वांछाएं जूझ रही।
लोकतंत्र की यही पहेली,
सबके के लिए अबूझ रही।।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा

न्यायसंगत विकास वही जो पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायसंगत विकास वही है जो पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल हो। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत की प्रगति पारिस्थितिक स्थिरता और ऊर्जा न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि देश को विकास की हमारी अकांक्षा और हरित भविष्य के प्रति ''हमारी निष्ठा'' के बीच एक नाजुक संतुलन बनाने के लिए तैयार और सुसज्जित होना चाहिए। भारत का विकास पारिस्थितिक स्थिरता और ऊर्जा न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को विकास की हमारी अकांक्षा और हरित भविष्य के प्रति ''हमारी प्रतिबद्धता'' के बीच एक नाजुक संतुलन स्थापित करने के लिए तैयार और सुसज्जित होना चाहिए।

सतत ऊर्जा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : भारत के लिए 2047 का एजेंडा' को संबोधित करते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि 2047 के लिए भारत की परिकल्पना न्याय पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''मेरी राय में, आर्थिक विकास को पारिस्थितिक संवेदनशीलता के साथ सामंजस्य बिठाना आवश्यक है।

विपक्ष ने आरक्षण विधेयक को रोककर महिलाओं के सपनों को कुचला : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विपक्षी दलों ने सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद संसद में महिला आरक्षण (संशोधन) विधेयक को पारित न होने देकर महिलाओं के सपनों को ''निर्दयतापूर्वक कुचल'' दिया है।

मोदी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न होने के एक दिन बाद राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थ भरी राजनीति की कीमत देश की महिलाओं को चुकानी पड़ी है और इन दलों ने विधायी निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रयासों को विफल कर दिया है।

■ महिलाओं के लिए आरक्षण का विरोध करके विपक्ष ने पाप किया है और उसे इसके लिए निश्चित रूप से दंड मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं देश की सभी महिलाओं से क्षमा मांगता हूं।'' उन्होंने कहा, ''आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि भारत की महिलाओं की प्रगति किस प्रकार रुक गई है। देश की महिलाओं के सपनों को निर्दयतापूर्वक कुचल दिया गया है, और हमारे तमाम प्रयासों के बावजूद हम सफल नहीं हो सके।''

मोदी ने कहा कि महिलाओं ने देखा है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक जैसी पार्टियां महिला सशक्तीकरण के खिलाफ अपनी ''स्वार्थ भरी राजनीति का जश्न'' कैसे मनाती हैं। उन्होंने कहा, ''महिलाओं के लिए आरक्षण का विरोध करके विपक्ष ने पाप किया है और उसे इसके लिए निश्चित रूप से दंड मिलेगा। विपक्षी दलों ने विधेयक को विफल कर हमारे संविधान का अपमान किया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य किसी से कुछ भी छीने बिना महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देना था।

चार आतंकी गिरफ्तार

टॉय कार का इस्तेमाल कर हमले की थी साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार 'कट्टरपंथी' लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों की साजिश रची थी, कुछ संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने के लिए उनकी रेकी की थी और 'एन्क्रिप्टेड' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अन्य लोगों को भर्ती करने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान एक 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) और उससे जुड़ा सामान जब्त किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दो आरोपी भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाने के लिए आईईडी युक्त रिमोट संचालित टॉय कार को तैयार कर रहे थे।

डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में हैं प्रधानमंत्री मोदी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीपेट (तमिलनाडु)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नियंत्रित कर सकें।

गांधी ने दावा किया कि ''प्रधानमंत्री ने हमारी ऊर्जा सुरक्षा को दांव पर लगा दिया और हमारे डेटा को दूसरों के हवाले कर दिया, साथ ही हमारे किसानों और छोटे और मध्यम उद्योगों को बेच दिया।'' उन्होंने परिसीमन विधेयक पर कहा, ''कल (संसद में) आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर आत्मविश्वास की पूरी कमी देखी।'' राहुल गांधी ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह (प्रधानमंत्री) विपक्ष का सामना भी नहीं कर सके। वह अलग बैठे थे। इसका कारण यह है कि वह अमेरिका द्वारा नियंत्रित हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने हमारे देश को बेच दिया।'' उन्होंने कहा, ''आज अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को कूदने को कहें, तो मोदी कूद जाते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं। क्यों? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप का मोदी पर पूरी तरह नियंत्रण है। वे उन्हें कैसे नियंत्रित करते हैं? वह एप्स्टीन फाइलों के जरिए नियंत्रित करते हैं। वह उन्हें नियंत्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की वित्तीय व्यवस्था का पता है और वह अदाणी के साथ मोदी के संबंधों को समझते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''जिस तरह ट्रंप, मोदी को नियंत्रित कर रहे हैं, वह भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को उसी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं।''

जी20 उपग्रह को 2027 में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है : इसरो प्रमुख

हैदराबाद/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि जलवायु और वायु प्रदूषण का अध्ययन करने तथा मौसम की निगरानी करने के लिए डिजाइन किए गए जी20 उपग्रह को 2027 में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है। डॉ. नारायणन ने यह भी कहा कि भारत पहला देश है जिसने एक ही रॉकेट का उपयोग करके 100 से अधिक उपग्रहों को सफलतापूर्वक स्थापित किया है। उन्होंने कहा, ''फिलहाल हम जी20 देशों के लिए एक जी20 उपग्रह पर भी काम कर रहे हैं, जिसमें भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है, और हम 2027 तक इसका प्रक्षेपण करने जा रहे हैं।''

नारायणन ने कहा कि इसरो ने 34 देशों के 433 उपग्रहों सहित कई वाणिज्यिक मिशन पूरे किए गए। उन्होंने कहा कि इसरो 2040 तक चंद्रमा पर मानव मिशन की दिशा में काम कर रहा है।

इसरो प्रमुख ने कहा, ''अगर हम 2040 तक इसे हासिल कर लेते हैं, तो हम प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह तकनीक, अनुप्रयोग क्षेत्र और मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के मामले में किसी भी अन्य अंतरिक्ष यात्री राष्ट्र के बराबर होंगे। हम 'विकसित भारत' की दिशा में काम कर रहे हैं।''

सनराइजर्स हैदराबाद ने सीएसके को 10 रन से हराया

हैदराबाद/भाषा। सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रन से हराकर तीसरी जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (59 रन) की शानदार शुरुआत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन और अंशुल कंबोज की धारदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन (59 रन) के अर्धशतकों को छोड़ दें तो सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी इकाई ने सीएसके के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। जवाब में सीएसके की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 184 रन ही बना सकी और उसे चौथी हार का मुंह देखना पड़ा।

ईरान की 'बहादुर नौसेना' अपने शत्रुओं को 'करारी हार' देने के लिए तैयार : सर्वोच्च नेता

काहिरा/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने कहा है कि ईरान की ''बहादुर नौसेना'' ''अपने दुश्मनों को करारी हार देने के लिए तैयार है''। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान द्वारा प्रतिबंध फिर से लागू किए जाने के बाद सर्वोच्च नेता ने शनिवार को यह बयान दिया। ईरानी सेना की स्थापना की वर्षगांठ के मौके पर एक संदेश में, उन्होंने युद्ध के दौरान इजराइल और पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ईरान के ड्रोन हमलों की सराहना की।

भारत आ रहे 14 जहाजों को ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने से रोका : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत आ रहे कच्चे तेल और गैस से लदे 14 जहाजों के एक काफिले को ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय रोक दिया और उनमें से दो जहाजों पर गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप 13 जहाज फारस की खाड़ी में अलग-अलग स्थानों पर लौट गए। घटनाक्रम से अवगत आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकार दी। होर्मुज जलडमरूमध्य पार करते समय भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर आईआरजीसी की गोलीबारी हुई, जिसमें कच्चा तेल लदा हुआ था। जहाज की एक खिड़की का शीशा टूट गया, जिसके कारण उसे यात्रा रोककर वापस लौटना पड़ा। दूसरे जहाज को कितना नुकसान हुआ, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन वह भी वापस लौट चुका है। सूत्रों के अनुसार, हालांकि भारतीय ध्वज वाला एक अन्य जहाज जलडमरूमध्य से गुजरा और अब भारत की ओर बढ़ रहा है। इस जहाज पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए कच्चा तेल लदा हुआ है। दो ईरानी 'गनबोट' लक्षित टैंकर के पास पहुंचीं और बिना किसी चेतावनी के उस पर गोलीबारी की। सूत्रों के अनुसार, 'गनबोट' ओमान से 37 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित टैंकर के पास पहुंचीं, जिसके कारण अन्य जहाजों को यात्रा पूरी किए बिना ही वापस लौटना पड़ा।

भारत को पश्चिम एशिया से संबंधित परिणामों के लिए तैयार रहना चाहिए : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष में अचानक होने वाले किसी भी परिणाम के लिए भारत को तैयार रहना चाहिए।

पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर रखने के लिए गठित अनौपचारिक मंत्रिस्तरीय समूह (आईजीओएम) की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए सिंह ने यह बात कही।

इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी, रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा, उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल उपस्थित थे।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ सिंह ने ''संघर्ष की जमीनी स्थिति को अनिश्चित और अस्थिर बताया तथा इस बात पर जोर दिया कि भारत को न केवल तनाव कम करने के लिए बल्कि नए सिरे से तनाव बढ़ने की किसी भी स्थिति के लिए भी तैयार रहना चाहिए।''

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संघर्ष के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी संभावित जोखिम या समस्याओं से निपटने के लिए ''तेज और प्रभावी कार्रवाई'' करना जारी रखे हुए है।

कृषि पर अल नीनो का असर सीमित रहने की उम्मीद : केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि उसे इस वर्ष संभावित 'अल नीनो' मौसम चक्र से कृषि को होने वाले नुकसान के सीमित रहने की उम्मीद है। इसके लिए सरकार ने बेहतर सिंचाई बुनियादी ढांचे, जलाशयों के उच्च जल स्तर और पिछली ऐसी घटनाओं की तुलना में किसानों की बेहतर तैयारी का हवाला दिया। यह आश्वासन तब आया, जब कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ की फसल के सीजन के लिए एक प्रारंभिक बैठक की अध्यक्षता की। भारत में खरीफ का सीजन जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के साथ शुरू होता है और देश के वार्षिक कृषि उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा इस अवधि में होता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस वर्ष मानसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है, जो दीर्घकालिक औसत का लगभग 92 प्रतिशत होगा। विभाग ने मानसून के दौरान अल नीनो के प्रभावी होने की आशंका भी जताई है। हालांकि, अंतिम पूर्वानुमान मई के अंत में जारी किया जाएगा। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, चौहान ने बैठक में कहा, ''किसानों को किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है।''उन्होंने कहा कि सरकार 'पूरी तैयारी' के साथ आगे बढ़ रही है। बयान के मुताबिक, मंत्री ने कहा, ''अल नीनो के संभावित प्रभाव के बावजूद, कृषि क्षेत्र पर इसका प्रभाव पिछली बार की तुलना में अपेक्षाकृत सीमित रहने की संभावना है।''

ट्रंप से बहस करने में कोई रूचि नहीं, लेकिन शांति का संदेश देता रहूंगा : पोप

पोप के विशेष विमान से/एपी। पोप लियो 14वें ने शनिवार को कहा कि वह ईरान युद्ध के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहस करने के कतई इच्छुक नहीं हैं, हालांकि वह शांति का संदेश देना जारी रखेंगे। कैमरून से अंगोला की यात्रा के दौरान पोप ने अपने विशेष विमान में पत्रकारों से यह बात कही।

पोप ने ट्रंप द्वारा की गई आलोचना का जिक्र करते हुए कहा कि उनका शांति का संदेश खासतौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति को ध्यान में रखकर नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा, ''एक खास तरह का विमर्श है, जो अपने सभी पहलुओं में सटीक नहीं बैठता है, लेकिन उत्पन्न राजनीतिक स्थिति के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति ने मेरे बारे में कुछ टिप्पणियां कीं।''

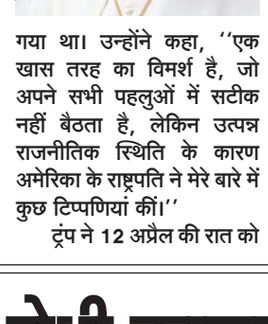

ट्रंप ने 12 अप्रैल की रात को 'ट्रुथ सोशल' पर पोप की आलोचना की। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष के तेज होने पर पोप लियो 14वें द्वारा दिए गए शांति के संदेशों की आलोचना करने के लिए ट्रंप ने सोशल मीडिया का सहारा लिया था। ट्रंप ने पोप लियो पर अपराध के प्रति नरम रुख अपनाने और वामपंथियों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया था। पोप लियो ने लगातार शांति और संवाद की अपील की है और युद्ध के लिए धार्मिक औचित्य के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की है।

धर्मांतरण रोधी कानून बनाया जाए : विहिप

कोच्चि/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने शनिवार को आरोप लगाया कि केरल में ''लव जिहाद'' की घटनाएं बढ़ रही हैं और इस मुद्दे से निपटने के लिए एक सख्त धर्मांतरण रोधी कानून की जरूरत है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय महासचिव मिलिंद परांडे ने यहां एक कार्यक्रम में प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान सुर्खियों में आई एक युवती और एक मुस्लिम पुरुष के विवाह का उदाहरण दिया। उन्होंने दावा किया कि आदिवासी समुदाय से संबंध रखने वाली यह लड़की राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) के अनुसार नाबालिग थी और उसे मध्य प्रदेश से 'अपहृत' करके केरल लाया गया था। विहिप महासचिव ने आरोप लगाया कि लड़की को बचाने के प्रयास करने के बजाय, उसे केरल लाने वाले व्यक्ति को राजनीतिक संरक्षण दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की कम्युनिस्ट सरकार के रुख के कारण केरल 'लव जिहादियों के लिए पनाहगाह' बन गया है।

परांडे ने दावा किया कि मुस्लिम लड़कियां बड़े पैमाने पर 'लव जिहाद' गतिविधियों में संलिप्त हैं। हालांकि, उन्होंने अपने इस दावे के समर्थन में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। विहिप नेता ने कहा, ''इसलिए, पूरे मुस्लिम समुदाय को इस बारे में सोचना चाहिए कि क्या हो रहा है और किस तरह की गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है, जिसके कारण समाज के अन्य सदस्य खुद को खतरे में महसूस करते हैं।'' परांडे ने स्थिति को 'चिंताजनक' बताते हुए आरोप लगाया कि समुदाय का एक विशेष वर्ग ''जानबूझकर लव जिहाद जैसी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।'' उन्होंने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम में हाल ही में प्रस्तावित संशोधनों का भी उल्लेख किया।

लद्दाख में भारत का पहला 'पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क' स्थापित किया जाएगा

लेह/भाषा। लद्दाख की प्राचीन विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर सिंधु नदी के किनारे भारत के पहले 'पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क' की आधारशिला रखी। 'पेट्रोग्लिफ' प्रागैतिहासिक चित्र, प्रतीक या नक्काशी हैं, जिन्हें सीधे चट्टानों की सतह पर खुरचकर, ठोककर या उकेरकर बनाया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि इस पार्क का उद्देश्य सदियों पुरानी चट्टानों पर उकेरी गई आकृतियों के लिए एक समर्पित संरक्षण क्षेत्र के रूप में कार्य करना है। वर्तमान में ये आकृतियाँ अनियंत्रित पर्यटन, बुनियादी ढांचे के तीव्र विकास और जागरूकता के अभाव के कारण गंभीर खतरे का सामना कर रही हैं।

वेदांता के चेयरमैन अग्रवाल के समर्थन में आए उद्योगपति नवीन जिंदल

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति नवीन जिंदल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ बॉयलर विस्फोट मामले में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का समर्थन करते हुए कहा कि मामले की पहले जांच होनी चाहिए और साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। वेदांता विद्युत संयंत्र में 14 अप्रैल को हुए विस्फोट में 23 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी में अनिल अग्रवाल का नाम भी शामिल किया गया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में जिंदल ने घटना में श्रमिकों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की यह त्रासदी बेहद पीड़ादायक है। 20 परिवारों ने सब कुछ खो दिया है। उचित मुआवजा, परिवारों को आजीविका सहायता और निष्पक्ष जांच अनिवार्य है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन बिना जांच के अनिल अग्रवाल का नाम प्राथमिकी में शामिल करना गंभीर चिंता का विषय है।

नाबालिग के साथ सामूहिक बलात्कार और धमकाने के आरोप में आठ लोग गिरफ्तार

खेड़ा (गुजरात)/भाषा। गुजरात के खेड़ा जिले में 17 वर्षीय किशोरी के साथ 2023 से कथित तौर पर कई बार बलात्कार करने और धमकाने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरेपियों की उम्र 19 से 26 वर्ष के बीच है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जिले के एक गांव में हुई। उन्होंने बताया कि मामले का एक आरोपी फिलहाल फरार है। खेड़ा के पुलिस अधीक्षक विजय पटेल ने कहा, ''खेड़ा टाउन पुलिस को 2023 से 2026 के बीच अपने ही गांव के नौ लोगों द्वारा 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म और धमकाने की शिकायत मिली।'' उन्होंने बताया कि पुलिस ने तुरंत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बाल संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

महिला आरक्षण पर हमारा रुख हमेशा एक रुख रहा है, मोदी सरकार पलटी मारती है : कांग्रेस

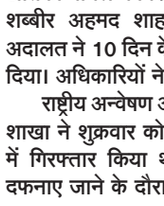

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने को लेकर उसका रुख हमेशा एक जैसा रहा है, जबकि मोदी सरकार इस मुद्दे पर लगातार पलटी मारती रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अपने 'न्याय पत्र' (घोषणापत्र) में वादा किया था कि सत्ता में आने पर 2029 से महिला आरक्षण को लागू किया जाएगा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने न्याय पत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण को जोड़ने के मोदी सरकार के इस चालाकी से भरे कदम की आलोचना की थी और महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने का वादा किया था।'' उन्होंने कहा, ''हमारा रुख हमेशा एक जैसा रहा है, सितंबर 2023 में जून, 2024 में और अब अप्रैल 2026 में भी वही है। दूसरी ओर, मोदी सरकार लगातार अपने रुख से पलटी मारती रही है।''

मोदी ने मंत्रियों को विपक्ष की 'महिला विरोधी' मानसिकता को उजागर करने को कहा: सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण को शीघ्र लागू करने से जुड़े विधेयक का समर्थन न करने के लिए कांग्रेस और अन्य दलों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी और उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से जनता के बीच विपक्ष की महिला-विरोधी मानसिकता उजागर करने को कहा। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री ने 2029 के लोकसभा चुनावों में महिला आरक्षण लागू कराने के प्रति अपनी सरकार के समर्थन और प्रतिबद्धता को दोहराया।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला आरक्षण को शीघ्र लागू करने के पक्ष में मतदान न करके विपक्ष ने बड़ी गलती की है और इसका समर्थन न करने के राजनीतिक परिणाम उसे भुगतने होंगे।

बताया जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कैबिनेट सहयोगियों से कहा कि वे इस मुद्दे को जमीनी स्तर तक, गांव-गांव तक पहुंचाएं और विपक्ष की महिला-विरोधी मानसिकता को उजागर करें।

सूत्रों ने बताया कि मोदी ने मंत्रियों से अपने सोशल मीडिया मंचों पर भी विपक्ष के खिलाफ संदेश प्रसारित करने को कहा है।

महिला आरक्षण कानून को लागू करने से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और पारित नहीं हो पाया। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकसभा में इस तरह का रुख अपनाने के बाद विपक्षी दल अब अपने कदम को सही ठहराने और उसे छिपाने के प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन ने परिसीमन विधेयक को 'निरर्थक' किया : संजय कुमार

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन ने परिसीमन विधेयक को ''निरर्थक'' बनाकर दक्षिणी राज्यों के साथ ''ऐतिहासिक विश्वासघात'' किया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य जनगणना के बाद अनुच्छेद 81 के तहत सीट अनुपात पर लगी रोक हटने के बाद दक्षिणी राज्यों की रक्षा करना था।

कुमार ने कहा कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन ने बाहर 'दक्षिण गौरव' के नारे लगाए लेकिन संसद के अंदर उन्होंने विधेयक को ही ''निरर्थक'' कर दिया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, खतरे को समझें। एक बार रोक हटने के बाद सीट का पुनर्वितरण जनसंख्या के आधार पर हो सकता है। जनसंख्या को नियंत्रित करने वाले, शिक्षा में निवेश करने वाले और विकास करने वाले राज्य राजनीतिक रूप से पीछे धकेले जा सकते हैं। इसका मतलब है कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और अन्य अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को दिल्ली में अपनी साख खोने का खतरा है।

रीजीजू से बातचीत का हवाला देकर थरूर ने कहा: मुझे कोई महिला विरोधी नहीं कह सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू के साथ अपनी बातचीत का एक अंश साझा किया और कहा कि भाजपा नेता ने स्वीकार किया कि कोई भी मुझे कभी भी महिला विरोधी नहीं कह सकता। थरूर ने यह भी कहा कि महिलाएं संसद और हर संस्थान में प्रतिनिधित्व की हकदार हैं।

तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने पोस्ट किया, ''महिलाओं की तरक्की को ऐसे शरारतपूर्ण और खतरनाक परिसीमन से न जोड़ें जो हमारे लोकतंत्र को तबाह कर सकता है।'' थरूर ने लोकसभा में रीजीजू के साथ खड़े कुछ विपक्षी सांसदों की तस्वीर साझा करते हुए कहा, संसदीय कार्य मंत्री के साथ लोकसभा में विपक्षी सांसदों की एक छोटी मुलाकात हुई। जब किरेन रीजीजू ने बताया कि वह और उनकी पार्टी विपक्ष को 'महिला विरोधी' क्यों कह रहे हैं, तो उन्हें (थरूर को) बताया गया कि कोई भी उन्हें कभी महिला विरोधी नहीं कह सकता।'' लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया था। सदन में 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', पर हुए मत विभाजन के दौरान इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 मत पड़े। लोस में किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। सरकार ने इस विधेयक के साथ 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखा था, लेकिन इन्हें भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

अक्षय तृतीया पर भौतिक सोने के साथ डिजिटल सोने की बढ़ेगी मांग: विश्लेषक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्लेषकों का कहना है कि रविवार को मनाई जाने वाली अक्षय तृतीया के अवसर पर भौतिक सोने की खरीद के साथ-साथ लचीले और पारदर्शी सोने में निवेश के विकल्प भी लोकप्रिय बने रह सकते हैं, क्योंकि निवेशकों का रुझान अब सोने के आधुनिक विकल्पों की ओर स्पष्ट रूप से बढ़ रहा है।

अक्षय तृतीया को पारंपरिक रूप से सोना खरीदने का शुभ अवसर माना जाता है, लेकिन विश्लेषकों के अनुसार निवेशकों की भागीदारी धीरे-धीरे बदल रही है और वे पारंपरिक भौतिक खरीद के साथ-साथ वित्तीय निवेश विकल्पों में भी बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, हम सोने में निवेश करने के तरीके में धीरे-धीरे बदलाव देख रहे हैं।

अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर भौतिक खरीद अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन लचीले और पारदर्शी निवेश विकल्पों में रुचि लगातार बढ़ रही है। ब्रोकरेज की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में सर्राफा बाजार भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी और मौद्रिक नीति अपेक्षाओं में बदलाव के कारण उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इसके बावजूद सोने और चांदी में सालाना आधार पर क्रमशः लगभग 10 प्रतिशत और पांच प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है, जो सुरक्षित निवेश की मांग को दर्शाती है। घरेलू बाजार में ऊंची कीमतों के कारण आभूषणों की मांग सीमित और मूल्य-संवेदनशील बनी हुई है, जिससे घरेलू कीमतों पर छूट का दबाव देखा जा रहा है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की कमोडिटी रिसर्च प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, सोना वर्तमान में एक जटिल वैश्विक माहौल से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि ब्याज दरों की अपेक्षाओं और डॉलर की मजबूती के कारण कभी-कभी दबाव देखने को मिलता है, लेकिन अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की चिंता और दीर्घकालिक निवेश मांग इसके व्यापक दृष्टिकोण को समर्थन दे रही है।

सरकार ने 12,980 करोड़ रुपए की सॉवरेन गारंटी के साथ 'भारत समुद्री बीमा कोष' को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शनिवार को लगातार समुद्री बीमा कवरेज की सुविधा के लिए 12,980 करोड़ रुपए की सॉवरेन गारंटी के साथ एक घरेलू बीमा योजना 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस कोष' (बीएमआई कोष) बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

यह कोष सुनिश्चित करता है कि भारतीय व्यापार को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मूल से भारतीय बंदरगाहों तक और इसके विपरीत माल ले जाने वाले जहाजों के लिए सस्ती बीमा सुविधा मिलती रहे, भले ही वे अस्थिर समुद्री गलियारों से गुजर रहे हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

सरकार ने भारतीय ध्वज वाले या भारतीय नियंत्रण वाले जहाजों, अथवा भारत आने वाले या भारत से जाने वाले जहाजों के लिए सॉवरेन गारंटी द्वारा समर्थित भारत समुद्री बीमा कोष के गठन को मंजूरी दी है।

संविधान संशोधन विधेयक का गिरना भाजपा की नीयत की हार : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक का पारित नहीं होना, सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार नहीं है, बल्कि उसकी नीयत की भी हार है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की नीयत महिलाओं के खिलाफ है।

रेड्डी ने कहा, ''विपक्षी दलों ने कल लोकसभा में एकजुट होकर नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा की नीयत को हरा दिया। अब भाजपा के लोग कह रहे हैं कि हम महिला आरक्षण के खिलाफ हैं, जबकि हमने ही समर्थन देकर महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया था। मैं नरेन्द्र मोदी जी से कहना चाहता हूं कि आप अपनी नीयत साफ रखिए और सही कानून बनाइए।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने देश में महिलाओं को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री और राज्यपाल समेत तमाम ऊंचे पद पर बैठाया है। राजीव गांधी जी और कांग्रेस पार्टी ने पंचायती राज में देश की महिलाओं को आरक्षण देने का काम किया था, लेकिन आजतक भाजपा ने किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनाया है।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा की नीयत ही महिलाओं के खिलाफ है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी को संविधान बदलने और आरक्षण हटाने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत है। इसलिए वह लोकसभा में ये कानून लेकर आए।''

किरेन रीजीजू ने कांग्रेस पर 'महिला विरोधी' होने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पारित कराने के प्रयासों को 'विफल' करने के लिए कांग्रेस को 'महिला-विरोधी' करार दिया। रीजीजू ने कहा कि महिलाओं को निर्णय-निर्माण में उनका उचित स्थान दिलाने के लिए सरकार के प्रयास जारी रहेंगे।

बजट सत्र के समापन पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि यद्यपि सरकार और सत्तारूढ़ गठबंधन को इस बात का दुख है कि महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पारित नहीं हो सका, लेकिन वे इसे विफलता नहीं मानते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों को 'छीनने' के बाद 'जश्न मना रही है', जिसके लिए देश की महिलाएं उन्हें करारा सबक सिखाएंगी। रीजीजू ने कहा, ''यह साबित हो चुका है कि कांग्रेस महिला विरोधी है। उसे देश की महिलाओं के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। विपक्ष महिलाओं के अधिकारों को छीनने के बाद इसे जीत मान रहा है। लेकिन देश की महिलाएं उन्हें करारा सबक सिखाएंगी।'' मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की 'महिला विरोधी मानसिकता' उजागर हो गई है, जो पार्टी के लिए एक 'काला धब्बा' है। उन्होंने कहा, ''हमें दुख है, लेकिन हम इसे पार्टी और सरकार की विफलता नहीं मानते। उन्होंने देश की महिलाओं को ठेस पहुंचाई है। हम महिलाओं को सम्मान देना चाहते थे, उन्हें सशक्त बनाना चाहते थे, हम ऐसा करना जारी रखेंगे।''

रीजीजू ने कहा कि सरकार और सत्तारूढ़ गठबंधन ने विधेयक पारित कराने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा, ''हम विपक्ष को शारीरिक रूप से किसी विधेयक के पक्ष में मतदान करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। मतदान लोकतांत्रिक तरीके से हुआ।'' विपक्षी दलों द्वारा विरोध में मतदान करने के बाद शुक्रवार रात लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित नहीं हो पाया।

टीसीएस मामले में आरोपी ने शादी की बात छिपायी, धर्मांतरण का दबाव डाला : शिकायतकर्ता

नासिक/भाषा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की स्थानीय इकाई में कथित यौन उत्पीड़न मामले की पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि आरोपियों में से एक ने चार साल पहले उसका यौन उत्पीड़न किया, अपनी शादी की बात छुपाई और कार्यस्थल पर उसके धर्म का अपमान किया, साथ ही उसपर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला।

टीसीएस की नासिक इकाई में कथित यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के मामले सामने आने के बाद पुलिस ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है और नौ प्राथमिकी दर्ज करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। सॉफ्टवेयर क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने आंतरिक जांच भी शुरू कर दी है। इसने शुक्रवार को कहा कि उसे अपने आंतरिक तंत्र के माध्यम से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। एक महिला पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, उसकी मुलाकात आरोपियों में से एक से चार साल पहले हुई थी, जिसने उसी कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की थी और दोनों दोस्त बन गए थे। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसे टीसीएस में नौकरी दिलाने में मदद करने का वादा किया था। इसी बीच महिला ने टीसीएस में नौकरी शुरू कर दी, जहां आरोपी भी काम करता था। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि फरवरी 2026 में, जब आरोपी की पत्नी ने उससे संपर्क किया, तब उसे पता चला कि आरोपी शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं।

विहिप ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र लिखकर धर्मांतरण और 'लव जिहाद' पर सख्त कानून बनाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर(हिप्र)/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ज्ञापन भेजकर कथित धर्मांतरण और 'लव जिहाद' पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कानून की मांग की।

विहिप के राज्य संयुक्त सचिव पंकज भारतीय ने पत्रकारों से बात करते हुए ऐसी घटनाओं में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और कड़े कानून बनाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक क्षेत्रों में भी हिंदू महिलाओं से जुड़े धर्मांतरण व 'लव जिहाद' की घटनाएं सामने आ रही हैं। पंकज ने कहा, नासिक में प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़ी हालिया घटनाओं से स्पष्ट है कि 'लव जिहाद' का जाल अब शिक्षित वर्ग और व्यावसायिक क्षेत्रों तक फैल चुका है। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में वन, सार्वजनिक और रेलवे भूमि पर अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया तथा दावा किया कि सामाजिक अशांति फैलाने के लिए खाद्य पदार्थों में मिलावट की घटनाएं की जा रही हैं। इस बीच, हमीरपुर में बजरंग दल के नेताओं ने कहा कि उनका संगठन राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है तथा ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करता है।

आतंकी मामले में गिरफ्तार शब्बीर शाह को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया

जम्मू/भाषा। एनआईए द्वारा तीन दशक पुराने एक आतंकी मामले में गिरफ्तार किए गए अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को शनिवार को एक विशेष अदालत ने 10 दिन के लिए एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की श्रीनगर शाखा ने शुक्रवार को शाह को 1996 के उस मामले में गिरफ्तार किया था जिसमें एक आतंकवादी को दफनाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर आतंकवादी हमला हुआ था। शाह को दिल्ली की पटियाला हाउस

अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उसे तीन दिन के ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में अन्य मामलों में लगभग सात साल की कैद के बाद जमानत पर रिहा किए गए अलगाववादी को शनिवार को जम्मू में विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश किया गया और हिरासत में पूछताछ किए जाने की अनुमति मांगी गई। अधिकारियों ने कहा कि दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उसे 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया, जिससे जांचकर्ताओं को 1996 के मामले में उससे पूछताछ करने की अनुमति मिल गई।

जनता के बीच जागरूकता के माध्यम से महिला आरक्षण के लिए प्रयास करेगा राजग : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

निदादावोलू (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने की ज़िम्मेदारी निभाएगा।

'स्वच्छ आंध्र-स्वर्ण आंध्र' कार्यक्रम के तहत ईस्ट गोदावरी जिले के निदादावोलू में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि राजग का लक्ष्य संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना है। नायडू ने कहा, ''राजग विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने की ज़िम्मेदारी संभालेगा।'' उन्होंने कहा कि संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने की कोशिश की गई, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों ने संसद में इस कवायद को अवरुद्ध कर दिया। मुख्यमंत्री के मुताबिक, राजग लंबे समय से ही महिलाओं के लिए आरक्षण देने के प्रयास करता रहा जिनमें इस बारे में चार बार विधेयक पेश करना भी शामिल है। उन्होंने कांग्रेस पर पीछे हटने और महिलाओं को धोखा देने का आरोप लगाया। नायडू ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियां यह बात फैला रही हैं कि दक्षिणी और पूर्वी राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ जाएगी। नायडू ने आरोप लगाया कि महिलाओं के वोटों से फ़ायदा उठाने के बावजूद, कांग्रेस 1996 से उन्हें धोखा दे रही है, और जो पार्टियां महिलाओं के साथ अन्याय करती हैं, वे टिक नहीं पाएंगी।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया।

प्रधानमंत्री जानते हैं कि स्टालिन पर दबाव नहीं डाला जा सकता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीपेट। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जानते हैं कि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को नियंत्रित नहीं कर सकते या दबाव नहीं डाल सकते, क्योंकि वह स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि मोदी इसलिए चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह राज्य पर अपना नियंत्रण स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सपने देखते रह सकते हैं, लेकिन वास्तविकता उस दिन स्पष्ट रूप से सामने आ जाएगी जब (चार मई को) तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे और द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन राज्य में शानदार जीत हासिल करेगा।

राहुल ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री चाहे कुछ भी कर लें, वह तमिलनाडु के मौजूदा मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को नियंत्रित नहीं कर सकते। कांग्रेस नेता ने राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व करने वाले अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए दावा किया, वह जानते हैं कि स्टालिन स्वतंत्र हैं और उन पर दबाव नहीं डाला जा सकता। इसीलिए वह स्टालिन को हटाकर किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना चाहते हैं जिसे वह नियंत्रित कर सकें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहे जो भी सपने देखते रहें, लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के दिन उन्हें वास्तविकता का पता चल ही जाएगा। राहुल ने कहा, तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन को भारी जीत मिलने वाली है और मोदी एवं (केंद्रीय गृह मंत्री अमित) शाह राज्य की जनता की ताकत और इच्छाशक्ति को समझेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह ने महिला आरक्षण विधेयक पर देश से झूठ बोला : राहुल

रानीपेट (तमिलनाडु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश से उस वक्त झूठ बोला, जब उन दोनों ने दावा किया कि वे महिला आरक्षण विधेयक पारित करने का प्रयास कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि उनके दावे के पीछे देश के चुनावी मानचित्र को बदलने और राज्यों को कमजोर करने का ''एक कुटिल'' इरादा छिपा हुआ था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जो प्रयास किया गया वह राष्ट्र-विरोधी कृत्य था और राज्यों के संघ के विरुद्ध था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने असम और जम्मू कश्मीर का चुनावी मानचित्र बदल दिया है और उनका इरादा देश के बाकी हिस्सों में भी ऐसा ही करने का है। चेन्नई से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित उत्तरी तमिलनाडु के रानीपेट शहर में अपनी दूसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने संविधान संशोधन विधेयक का मुद्दा उठाया, जो शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया था।

राहुल गांधी ने कहा, ''कल आपने देखा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह संसद में क्या करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने देश से झूठ बोला, उन्होंने कहा कि वे महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए विधेयक पारित करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उस विधेयक के पीछे एक कुटिल इरादा छिपा हुआ था।'' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह देश का चुनावी मानचित्र बदलना चाहते हैं।

द्रमुक व कांग्रेस ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर ओछी राजनीति की : प्रधानमंत्री मोदी

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण संशोधन विधेयक उनकी सरकार का एक नेक प्रयास था जो द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस के कारण ''पटरी से उतर गया'' और इसे नफरत एवं ओछी राजनीति का निशाना बना दिया गया। शुक्रवार को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने पर तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक और कांग्रेस को विशेष रूप से निशाना बनाते हुए प्रधानमंत्री ने पूछा, आम महिलाओं को आगे बढ़ते देखकर द्रमुक और कांग्रेस को क्या परेशानी होती है?

मोदी ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से विपक्षी दलों से विधेयक का समर्थन करने की अपील की थी और यहां तक कि उन्हें इसका श्रेय देने की पेशकश भी की थी क्योंकि मैं केवल यह चाहता था कि साधारण परिवारों की बहनें अच्छी संख्या में संसद और विधानसभाओं में आएं। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन दुर्भाग्य से, यह नेक प्रयास विफल हो गया। द्रमुक, कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने इसे नफरत और ओछी राजनीति का निशाना बना दिया। यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता, तो साधारण परिवारों की कई तमिल महिलाएं सांसद और विधायक बन जातीं। मोदी ने कहा कि 2011 की जनगणना के आधार पर, तमिलनाडु को लोकसभा में और भी कई सीट मिलने वाली थीं, लेकिन स्पष्ट रूप से द्रमुक ऐसा नहीं चाहती थी। उन्होंने कांग्रेस और द्रमुक की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया, आम महिलाओं को आगे बढ़ते देखकर द्रमुक और कांग्रेस को क्यों परेशानी होती है? ये परिवारवादी पार्टियां सत्ता को अपने ही परिवार तक सीमित रखना चाहती हैं। मोदी ने तमिलनाडु की महिलाओं से अपील की कि वे द्रमुक से पूछें कि उन्होंने उस विधेयक का विरोध क्यों किया जो उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था, और उन्होंने तमिल महिलाओं को इस सुनहरे अवसर से क्यों वंचित किया। प्रधानमंत्री ने चुनाव के दिन का जिक्र करते हुए कहा, 23 अप्रैल को उन्हें एक स्पष्ट और सशक्त संदेश दें।

'भारत की अवधारणा' की रक्षा के लिए संसद में परिसीमन विधेयक को नामंजूर किया गया : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि विपक्षी दलों ने संसद में परिसीमन से जुड़े विधेयक को भारत की अवधारणा की रक्षा के लिए खारिज किया। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए पोन्नेरी में गांधी ने कहा कि केंद्र की भाजपा-नीत सरकार 16 अप्रैल को नया विधेयक लेकर आई और दावा किया कि वह महिला आरक्षण विधेयक पारित कराना चाहती है। गांधी ने कहा कि उनके अनुसार यह विधेयक 2023 में ही पारित हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, तथाकथित महिला विधेयक में परिसीमन छिपाया गया था। इसका उद्देश्य भारत संघ में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को कम करना था... भाजपा ने दक्षिणी राज्यों, छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर राज्यों की ताकत को कमजोर करने के लिए परिसीमन से जुड़ा कदम उठाया था। उन्होंने कहा, हमने संसद में उस विधेयक को खारिज किया, जिसमें परिसीमन छिपा हुआ था; हमने भारत की अवधारणा की रक्षा के लिए इसे खारिज किया।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत राज्यों का एक संघ है और हर राज्य की अपनी आवाज होनी चाहिए, उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता मिले और अपनी परंपराओं की रक्षा करने का अधिकार हो। उन्होंने कहा, चुनाव पहले एक वैचारिक लड़ाई है, दूसरा यह राजनीतिक संघर्ष है। यह दबाव बनाम सहमति की लड़ाई है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ऐसा भारत चाहती है जहां दो-तीन कंपनियां सब कुछ नियंत्रित करें। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा तर्कवादी नेता ई. वी. रामासामी पेरियार' के विचारों, राज्य के शासन मॉडल और सामाजिक न्याय की अवधारणा को खत्म करना चाहती है।

गांधी ने लोगों से आरएसएस-भाजपा के इस हमले को रोकने की अपील की। उन्होंने भाजपा की सहयोगी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह अब पहले जैसी पार्टी नहीं रही, जो राज्य के लोगों के लिए काम करती थी। उन्होंने आरोप लगाया, जब आप अन्नाद्रमुक का झंडा या उसके नेता देखते हैं, तो याद रखें कि वे पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह के नियंत्रण में हैं, उनके भ्रष्टाचार के कारण। नयी अन्नाद्रमुक सिर्फ एक मुखौटा है, जिसके पीछे भाजपा छिपी है।

गांधी ने कहा कि अन्नाद्रमुक अब मजह खोल रह गई है। उन्होंने कहा कि कभी यह पार्टी द्रमुक की तरह तमिलनाडु के लोगों की रक्षा की मजबूत परंपरा बरकरार रखे हुए थी, लेकिन वह अन्नाद्रमुक काफी पहले खत्म हो चुकी है। कांग्रेस नेता आरोप लगाया, मोदी और अमित शाह ने अन्नाद्रमुक को अंदर से खत्म कर दिया है। भाजपा ने अन्नाद्रमुक को नष्ट कर दिया है, अब अन्नाद्रमुक जैसा कुछ नहीं बचा। हालांकि, राहुल गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस अपने सहयोगियों को बराबरी का दर्जा देती है और उन्हें एजेंसियों के जरिए दबाने की कोशिश नहीं करती। उन्होंने प्रधानमंत्री पर दिल्ली से तमिलनाडु को चलाने की मंशा रखने का आरोप लगाया।

गांधी ने कहा कि दुनिया में कोई ताकत तमिलनाडु या तमिल भाषा को नुकसान नहीं पहुंचा सकती। उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण भाषा नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों के अनुभव और स्मृतियों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने अन्नाद्रमुक पर यह भी आरोप लगाया कि वह अमित शाह व मोदी के निर्देशों का पालन कर रही है। उन्होंने कहा, पुराने समय की सेनाओं की तरह, भाजपा तमिल भाषा पर हमला करना, इतिहास को नष्ट करना और तमिल संस्कृति को तोड़ना चाहती है। हम कभी ऐसा नहीं होने देंगे।

2026 का विधानसभा चुनाव 'परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति' को खत्म करने के लिए : पलानीस्वामी

कोयंबटूर। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शनिवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर जमकर निशाना साधा और दावा किया कि 2026 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु में 'परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति' को खत्म करने के लिए है। पलानीस्वामी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, हम राज्य की जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव राज्य का दोहन करने वाले एक परिवार और तमिलनाडु (की जनता) के ''बीच की लड़ाई'' है। पलानीस्वामी ने कथित दोहन संबंधी टिप्पणी करते वक्त द्रमुक या उसके किसी नेता का नाम नहीं लिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य में 'परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति' को खत्म करने के लिए है। पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में कहा कि दिग्गज नेता एमजी रामचंद्रन ने 'दुष्ट शक्ति द्रमुक' को सत्ता से हटाने के लिए उस अन्नाद्रमुक की स्थापना की थी, जो आज तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व कर रही है। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने (मोदी ने) विश्व मंच पर देश का कद ऊंचा किया है।

एडप्पाडी से छठी बार चुनाव लड़ रहे तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी

सेलम। चुनावी राजनीति के अनुभवी नेता और सेलम जिले की एडप्पाडी विधानसभा सीट से बड़ी जीत दर्ज करते रहे पूर्व मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र से छठी बार चुनाव लड़ रहे हैं। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा और नतीजे चार मई को घोषित किए जाएंगे। 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव पलानीस्वामी 1989, 1991, 2011, 2016 और 2021 के चुनावों में यह सीट जीत चुके हैं। उन्होंने इस कृषि प्रधान निर्वाचन क्षेत्र को अपने गढ़ में तब्दील कर लिया है। यह क्षेत्र हथकरघा, विद्युत करघा और ग्रेनाइट खदानों के लिए भी जाना जाता है।

पलानीस्वामी के सामने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता सी. कासी की चुनौती है, जो कपड़ा कारोबारी हैं और चुनावी राजनीति में पहली बार उतर रहे हैं। इनके अलावा पूर्व फिल्म निर्देशक सीमैन की नाम तमिलर काची की उम्मीदवार प्रियदर्शिनी भी मैदान में हैं। हालांकि इस सीट से कुल 15 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा है। एडप्पाडी निर्वाचन क्षेत्र उस समय चर्चा में आया था, जब लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहीं पार्टी प्रमुख जे. जयललिता के निधन के उपरांत फरवरी 2017 में स्थानीय नेता पलानीस्वामी मुख्यमंत्री बने थे। पलानीस्वामी 1998 में तिरुचेंगोडे से सांसद भी रह चुके हैं। वह पहली बार 1989 में विधायक बने थे। पलानीस्वामी हमेशा कहते रहे हैं कि उनका राजनीतिक जीवन इस बात का उदाहरण है कि एक सामान्य पार्टी कार्यकर्ता कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर आगे बढ़ते हुए अन्नाद्रमुक का महासचिव बन सकता है। उन्होंने सत्तारूढ़ दल द्रमुक पर राज्य में ''वंशवादी शासन'' करने का आरोप लगाते हुए कहा था, ऐसा लोकतंत्र और ऐसा अवसर द्रमुक में नहीं है। पलानीस्वामी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के लिए तमिलनाडु में प्रचार करते हुए कहा, ''(पूर्व मुख्यमंत्री) करुणानिधि के बाद उनके पुत्र स्टालिन मुख्यमंत्री बने और फिर उनके पुत्र उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। इस तरह एक ही परिवार पार्टी और शासन पर हावी रहकर इस विरासत को आगे बढ़ाएगा। क्या आप चाहते हैं कि ऐसी पार्टी तमिलनाडु में शासन करे?'' पलानीस्वामी ने कहा, ''इस चुनाव से राज्य में परिवारवाद और भ्रष्टाचार का अंत होना चाहिए।''

सभी विपक्षी दलों के समर्थन के कारण परिसीमन विधेयक को रोक पाना संभव हुआ : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि परिसीमन विधेयक को रोकने में मिली जीत 'इंडि' गठबंधन सहित सभी विपक्षी दलों के सांसदों के प्रयासों के कारण ही संभव हो पाई। उन्होंने इस मुद्दे पर दृढ़ रुख अपनाने के लिए कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को धन्यवाद भी दिया। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि) विपक्षी दलों का गठबंधन है।

केंद्र सरकार को उस वक्त एक बड़ा झटका लगा जब लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 2029 से 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 करने के उद्देश्य से लाया गया संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को पारित नहीं हो सका। उन्होंने भाजपा की ओर इशारा करते हुए कहा, इस परिसीमन विधेयक ने न केवल हमारे दोस्तों का खुलासा किया है, बल्कि तमिलनाडु के गद्दारों को भी बेनकाब कर दिया है। अगले चुनाव से पहले ही इन गद्दारों को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

यहां जारी एक वीडियो क्लिप में स्टालिन ने कहा, आज मैं आपके सामने अत्यंत प्रसन्नता और नई ऊर्जा से परिपूर्ण होकर खड़ा हूं। परिसीमन विधेयक, जिसे काला कानून कहा जाता है, के विरुद्ध हमारा संघर्ष सफल रहा है। एक वर्ष से भी अधिक समय पहले हमने इस खतरे को भांप लिया था और उसी क्षण से हमने इस विजय को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी कार्य शुरू कर दिए थे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन की आड़ में भाजपा को पूर्णतया लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया विधेयक संसद में पराजित हो गया। इसके लिए इंडिया गठबंधन सहित सभी विपक्षी दलों के सांसदों का धन्यवाद। उन्होंने कहा, भाजपा ने महिला आरक्षण की आड़ में इस कानून को लाने की कोशिश की। लेकिन खुद महिलाओं ने ही इसका विरोध किया और उन्हें करारी हार मिली। मैं उन्हें सलाम करता हूं।

स्टालिन ने कहा, जो लोग हमें उत्तर और दक्षिण में बांटना चाहते थे और हमें एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहते थे, उन्हें अब मुंह पर एक जोरदार और करारा तमाचा लगा है। उन्होंने कहा, 12 वर्षों में पहली बार प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को संवैधानिक संशोधन विधेयक में हार का सामना करना पड़ा है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। यह उन पराजयों की शुरुआत है जिनका सामना भाजपा को पूरे देश में करना पड़ेगा। यह विपक्षी दलों की एकता की शुरुआत है। मैं बार-बार कहता रहा हूं कि अगर हम एकजुट रहेंगे तो हमारी जीत निश्चित है। उन्होंने दावा किया, मैंने पहले ही चेतावनी दी थी कि हमें 1950 और 60 के दशक की पुरानी द्रमुक को फिर से देखना पड़ सकता है। मैंने आज उन्हें स्पष्ट रूप से दिखा दिया है। देखिए, यही है द्रमुक।

स्टालिन ने हालांकि कहा, आज हमने जो हासिल किया है वह केवल आधी जीत है। जैसा कि 2001 में किया गया था, सीटों की संख्या का परिसीमन संवैधानिक रूप से अगले 25 वर्षों के लिए, यानी 2051 तक निलंबित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी जीत का क्रम जारी रहे और कई गुना बढ़ें और भाजपा को, जिसने तमिलनाडु के लोगों को उनके ही देश में शरणार्थी बनाने की कोशिश की, तथा उनके दासतुल्य एजेंट, अन्नाद्रमुक को, हम 2026 के विधानसभा चुनावों में इतनी बड़ी और अविस्मरणीय हार देंगे कि वे इसे कभी भुला न सकें।

उदयनिधि ने केंद्र सरकार पर तमिलनाडु के लिए अनुदान जारी ना करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोबिचेट्टीपलायम। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राज्य के लिए अनुदान जारी नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि उसने तमिलनाडु के अधिकारों को छीन लिया है।

पश्चिमी इरोड जिले के गोबिचेट्टीपलायम में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा शाखा के प्रमुख स्टालिन ने दावा किया कि केंद्र ने शिक्षा के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की राशि जारी नहीं की है। स्टालिन कहा, उन्होंने (केंद्र सरकार ने) हमारे सभी अधिकार छीन लिए हैं। केंद्र के परिसीमन प्रस्ताव के संबंध में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन देश में इस कदम के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने यह दावा भी किया कि लोकसभा में विपक्ष के विरोध के कारण बहुमत न मिलने से विधेयक खारिज हो गया, जो 'इंडि' गठबंधन के लिए बड़ी जीत है।

चेन्नई और संतरागाछी के बीच चलने वाली ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें

चेन्नई। यहां दक्षिणी रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन नंबर 06001/06002 चेन्नई एग्मोर - संतरागाछी - चेन्नई बीच एक्सप्रेस स्पेशल चलाई जाएगी। ट्रेन संख्या 06001 चेन्नई एग्मोर-संतरागाछी एक्सप्रेस स्पेशल 19 अप्रैल, रविवार को सुबह 10:00 बजे चेन्नई एग्मोर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 6:30 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 06002 संतरागाछी - चेन्नई बीच एक्सप्रेस स्पेशल 20 अप्रैल सोमवार को रात 9:30 बजे संतरागाछी से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 8:30 बजे चेन्नई बीच पहुंचेगी। इस ट्रेन में 1 - एसी टू टियर कोच, 1-एसी थ्री टियर कोच, 12-स्लीपर क्लास कोच, 4 - जनरल सेकंड क्लास कोच और 2 - सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

तमिलनाडु सड़क हादसा : केरल के स्कूल में मातम, नौ लोगों की मौत से गांव में पसरा सन्नाटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम। तमिलनाडु में हुए भीषण सड़क हादसे में मारे गए नौ लोगों के शव शनिवार को जब उनके गांव पहुंचे तो पूरा क्षेत्र गहरे शोक में डूब गया। एक साथ यात्रा शुरू करने वाले सहकर्मी और परिजन अब नौ एंबुलेंस में मृतक के रूप में लौटे, जिससे पूरे गांव में मातम छा गया।

मलप्पुरम जिले के पांग गांव स्थित एक सरकारी स्कूल परिसर में शनिवार को सामूहिक शोक का माहौल देखने को मिला, जब पल्लिपरंबा सरकारी लोअर प्राइमरी स्कूल से जुड़े शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और उनके परिजनों के शव वहां लाए गए। ये सभी लोग शुक्रवार को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में हुए सड़क हादसे में जान गंवा बैठे थे। पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी होने के बाद नौ एंबुलेंस का काफिला सुबह मलप्पुरम पहुंचा और शवों को एंबालापरम्बु सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में रखा गया, जहां लोगों ने अंतिम दर्शन किए।

शवों के पहुंचते ही बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक, सहकर्मी और ग्रामीण मौके पर जुट गए। पूरे माहौल में गहरा दुख और अविश्वास साफ झलक रहा था। एक शिक्षक ने भावुक होकर कहा, अब स्टाफ रूम में सिर्फ तीन लोग ही बचे हैं। वहीं एक अन्य शिक्षिका ने बताया कि वह भी इस यात्रा में शामिल होने वाली थीं, लेकिन किसी कारणवश योजना बदल गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल समुदाय एक परिवार की तरह था और इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। जानकारी के अनुसार, 13 लोगों का समूह शुक्रवार सुबह यात्रा पर निकला था, जिसमें शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, उनके परिजन और चालक शामिल थे। यह यात्रा अनौपचारिक थी और इसमें अथिराप्पिल्ली जलप्रपात के बाद तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वालपराई जाने की योजना थी और इसी क्रम में यह दुर्घटना हुई।

हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज पड़ोसी राज्य के अस्पतालों में चल रहा है। सभी नौ शवों का पोस्टमार्टम तमिलनाडु के पोल्लाची स्थित सरकारी अस्पताल में मध्यरात्रि से तड़के चार बजे के बीच किया गया, जिसके बाद उन्हें केरल लाया गया। बाद में शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक घरों में ले जाया गया। इस बीच राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने स्कूल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री ने कहा कि इस घटना ने स्कूल को गहरा आघात पहुंचाया है, क्योंकि मृतकों में अधिकतर शिक्षक शामिल थे। उन्होंने कहा कि स्कूल के पुनः खुलने से पहले आवश्यक शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति के लिए सरकार तत्काल कदम उठाएगी।

स्पष्ट व सरल भाषा में जनता की इच्छाएं प्रतिबिंबित करने वाला हो विधायी मसौदा : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि कानून निर्माण में विधायी मसौदा महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि विधायी मसौदे में स्पष्ट व सरल भाषा में जनता की इच्छाएं प्रतिबिंबित होनी चाहिए। स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा में विधेयक को पारित कराने की प्रक्रिया अत्यन्त सावधानीपूर्वक और पारदर्शी तरीके से की जाती है। कानून में सर्वोत्तम गुणवत्ता के सभी पहलुओं का समावेश सुनिश्चित किया जाता है। स्पीकर देवनानी शनिवार को जयपुर राजस्थान विधान सभा में इन्टरनेशनल लेजिस्लेटिव ड्रॉफ्टिंग विषय पर विधायी मसौदा तैयार करने के लिए 37वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के अन्तर्गत लोकसभा सचिवालय के पार्लियामेन्ट्री रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी द्वारा आयोजित किया गया। देवनानी ने बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया, जाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागियों से परिचय किया और उनके साथ सामूहिक चित्र भी कराया। स्पीकर देवनानी ने कहा कि किसी भी विधेयक के प्रस्ताव की प्रक्रिया तीन मुख्य चरणों से गुजरती है।

उन्होंने कहा कि पहले चरण में विधेयक सदन में प्रस्तुत किया जाता है। द्वितीय चरण में विधेयक पर गहन चर्चा के साथ मसौदे को बेहतर बनाने के लिए अक्सर विशेष समितियों की मदद से हर पहलू का बारीकी से विश्लेषण कराये जाने के पश्चात सदन मतदान के लिए एकत्रित होता है। देवनानी ने कहा कि कानून को सशक्त, समझने में आसान और वास्तव में जनता के हित में बनाने के लिए सम्पूर्ण प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक सुनिश्चित किया जाता है। स्पष्ट और सरल भाषा का प्रयोग ही न्याय का सार होता है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा लोकतंत्र का सच्चा मंदिर है। यहां सभी का एक साथ विकास करने के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कानून पारित कराये जाते हैं। विधान सभा अपने गौरवशाली स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रही है। राज्य के निर्माण के शुरूआती दिनों से लेकर आज के डिजिटल शासन के युग तक विधान सभा में लाखों लोगों के सपनों को कानून में तब्दील किये गए हैं। 200 सदस्यों वाली राजस्थान विधान सभा जनता की इच्छाओं को प्रतिबिंबित करने का कार्य करती है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि अपनी स्वतंत्रता के 75वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए भारत अब अमृतकाल के मार्ग की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों की विशेष यात्रा के साथ भारत 2047 में स्वतंत्रता की 100 वीं वर्षगांठ मनायेगा। यह समय हमारे राष्ट्र के लिए आत्म निरीक्षण करने और भविष्य के लिए बडे लक्ष्य निर्धारित करने का है। स्पीकर देवनानी ने कहा कि गुलाबी शहर जयपुर का गुलाबी सदन राजस्थान विधान सभा पूरे देश के लिए आदर्श बन गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधान सभा ने सभी विधायी अभिलेखों को डिजिटलाइज करके सुदृढ़ भविष्य को सुनिश्चित कर लिया है। यह परिवर्तन केवल कम्प्यूटर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ाने और शासन को गति देने से भी संबंधित है। पारम्परिक राजस्थानी शैली और आधुनिक आवश्यकताओं के अनूठे मिश्रण के साथ विधान सभा भवन को सुंदर तरीके से बनाया गया है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि विधान सभा का महत्वपूर्ण हिस्सा आधुनिक डिजिटल संग्रहालय है। यह संग्रहालय जनता विशेषकर युवाओं से जुड़ने का एक सेतु है। यह राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा और इतिहास को जानने का अवसर प्रदान करता है। सदन के कार्यों को समझने का माध्यम है। साथ ही कानून निर्माण की प्रक्रिया को जनता के करीब लाता है। स्पीकर देवनानी ने विदेशी प्रतिभागियों से कहा कि राजस्थान विधान सभा के वरिष्ठ और अनुभवी विधायकों के साथ चर्चा विधायी ज्ञान को बढाएगी। ऐसे कार्यक्रम किताबों से परे जाकर अनुभव जानने के दुर्लभ अवसर हैं और संसदीय प्रक्रिया का वास्तविक ज्ञान भी होते हैं। कानून बनाना शासन की वैश्विक भाषा है, जिसे साझा करके हम सभी दुनिया भर में लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहभागी बनेंगे। देवनानी ने कहा कि पधारो म्हारे देश की भावना को भारत की यात्रा से बेहतर ढंग से विदेशी प्रतिभागी समझ सकेंगे।

आरपीएससी ने आरएएस परीक्षा 2024 के परिणाम जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा–2024 के अंतिम परिणाम शनिवार को घोषित कर दिए। आयोग ने मुख्य परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पूरे होने के ठीक एक दिन बाद ही यह परिणाम जारी किया है। यह हाल ही के वर्षों में भर्ती प्रक्रिया को सबसे तेजी से पूरा किए जाने का एक उदाहरण भी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी। आयोग की ओर से जारी वरीयता सूची में बाड़मेर के दिनेश बिश्नोई ने 351.50 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि जैसलमेर के वीरेंद्र चारण सिर्फ आधे अंक के मामूली अंतर से दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने 351 अंक प्राप्त किए। इसके अनुसार बिश्नोई ने लिखित परीक्षा में सर्वाधिक 302.50 अंक प्राप्त किए जबकि चारण ने साक्षात्कार में उनसे नौ अंक अधिक प्राप्त किए। बिश्नोई को साक्षात्कार में 49 अंक मिले, जबकि चारण को 58 अंक मिले।

बालोतरा जिले के धोरीमन्ना उप–मंडल के भाली सर गांव के रहने वाले बिश्नोई ने अपने दूसरे प्रयास में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले उन्होंने पिछली आरएएस (राजस्थान प्रशासनिक सेवा) परीक्षा में 57वां स्थान हासिल किया था और वर्तमान में जयपुर में पुलिस सेवा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। बिश्नोई ने अपनी सफलता का श्रेय लगातार कड़ी मेहनत, नियमित अध्ययन और अपने माता–पिता तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ता और समर्पण ही कुंजी हैं।

जयपुर के उम्मीदवारों में कुलदीप शर्मा ने 12वां स्थान, तनीषा यादव ने 19वां और वृंदा शेखावत ने 20वां स्थान हासिल किया। वरीयता सूची में शीर्ष 20 अभ्यर्थियों में से सात पश्चिमी जिलों – बाड़मेर, बालोतरा, बीकानेर, जैसलमेर और अनूपगढ़ – से हैं जबकि तीन जयपुर से हैं। शीर्ष 20 उम्मीदवारों की सूची में चार महिलाएं हैं। इनमें बीकानेर की ऐश्वर्या कंवर (रैंक 6), अनूपगढ़ की शालू (रैंक 8), तथा जयपुर की तनीषा यादव (रैंक 19) और वृंदा शेखावत (रैंक 20) है।

जैसलमेर में पोकरण क्षेत्र के रामपुरीया गांव के वीरेंद्र चारण ने वरीयता सूची में दूसरा स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। पुलिस विभाग में एक हेड कांस्टेबल के बेटे वीरेंद्र वर्तमान में पिछली परीक्षा में तहसीलदार के पद पर चयनित होने के बाद प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शालू अनूपगढ़ के एक किसान परिवार से हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी पहली ही कोशिश में, खुद से पढ़ाई करके 8वीं रैंक हासिल की।

जोधपुर में गर्मी का प्रचंड प्रहार : ड्यूटी के दौरान स्कूल में शिक्षिका हुई बेहोश

जोधपुर । सूर्यनगरी में आसमान से बरसती आग और भीषण लू ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप का एक खौफनाक मंजर शनिवार को हयूसन मंडी स्कूल में देखने को मिला, जहाँ कार्यरत एक शिक्षिका अचानक हीट स्ट्रोक की चपेट में आकर बेहोश हो गईं। इस घटना के बाद विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षिका सुमन विद्यालय में अपनी ड्यूटी पर तैनात थीं, तभी अचानक तेज गर्मी और उमस के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें बेसुध देख सहकर्मियों के हाथ–पांव फूल गए।

साथी शिक्षक तुरंत सक्रिय हुए और उन्हें बिना देरी किए महात्मा गांधी अस्पताल (चत्रक्ष) ले गए। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती शिक्षिका का उपचार डॉक्टरों की विशेष निगरानी में चल रहा है। शुरुआती जांच में डॉक्टरों ने इसे भीषण गर्मी और हीट स्ट्रोक का मामला बताया है। राहत की बात यह है कि प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जयपुर शहर में 'सफाई सेवा मैराथन' में 9,000 सफाईकर्मी व अधिकारी तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्वच्छता अभियान 'सफाई सेवा मैराथन 2026' शनिवार को शुरू हुआ जिसमें लगभग 9,000 सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने मालवीय नगर जोन के वार्ड नंबर 83 से इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने सफाई कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ाया और ज़मीनी स्तर पर जारी कामों का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि कई स्वयंसेवी संगठन भी इस पहल में सहयोग कर रहे हैं। आयुक्त ने तालकटोरा तालाब के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कर्मचारियों द्वारा बिना 'लाइफ जैकेट' के काम करने पर चिंता जताई।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सफाई कार्यों के दौरान उचित सुरक्षा उपकरण सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से वहां सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए गए। कसेरा ने दिल्ली रोड पर लाल डूंगरी, गोल मार्केट और झालाना डूंगरी स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशनों का निरीक्षण किया और मशीनों से कचरा निपटाने की व्यवस्था का जायज़ा लिया। उन्होंने कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफर स्टेशनों पर आने वाले कचरे की मात्रा बढ़कर सामान्य से लगभग दोगुनी हो गई है। एक अधिकारी ने कहा, अभियान के तहत उन इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहां आमतौर पर नियमित सफाई सेवाएं नहीं पहुंच पाती। आयुक्त ने निवासियों से भी अपील की कि वे खुली जगहों पर कचरा न फैलाएं और जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करें। बाद में, कसेरा ने जयपुर के जिला कलेक्टर संदेश नायक के साथ मिलकर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के पास स्थित 'अन्नपूर्णा रसोई' केंद्र का दौरा किया और वहां मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता जांची।

ऐतिहासिक कवि सम्मेलन में डॉ.कैलाश मण्डेला को दिया सुरेन्द्र दुबे स्मृति सम्मान

पुष्कर की पुण्य धरा हुई कविताओं से सरोबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर (राज.)। विश्वविख्यात हास्यकवि एवं संवेदनशील गीतकार स्व.सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में आयोजित 8वें सम्मान समारोह एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन पुष्कर स्थित गायत्री मणिवेदिक शक्तिपीठ पर स्वामी प्रखर महाराज के सान्निध्य में हो रहे 43 दिवसीय शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ के अंतर्गत हजारों श्रोताओं की उपस्थिति में सुरेंद्र दुबे स्मृति संस्थान द्वारा घोषित एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए की राशि, ताम्र पत्र एवं अलंकरणों के साथ सुरेंद्र दुबे स्मृति सम्मान–2026 इस वर्ष हिंदी कवि सम्मेलनों एवं अकादमिक स्तर पर हिन्दी और राजस्थानी भाषा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जनकवि, गीतकार एवं केन्द्रीय साहित्य अकादमी से पुरस्कृत साहित्यकार डॉ.कैलाश मण्डेला(शाहपुरा– राजस्थान) को प्रदान किया गया। महायज्ञ के प्रणेता गुरुवर प्रखरजी महाराज, संस्थान के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश दुबे, प्रतिष्ठित संतों तथा कवियों द्वारा सम्मान के निमित्त एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए का चैक, ताम्र पत्र एवं प्रतीक चिन्ह आदि भेंट किए गए। अपने बहुआयामी लेखन और विलक्षण प्रस्तुति कौशल के कारण पहचान बना चुके कवि मण्डेला के साहित्यिक अवदान को कार्यक्रम के प्रारंभ में रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखर महाराज का 21 किलो की माला एवं एक क्विंटल गुलाब पंखुड़ियों से भव्य अभिनंदन किया गया। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश दुबे ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए इस जन आयोजन में सभी की सहभागिता हेतु आभार व्यक्त किया। विश्व प्रसिद्ध मंच संचालिका डा.कीर्ति काले के संचालन में प्रारम्भ हुए कवि सम्मेलन में अपनी सरस्वती वंदना से डा कीर्ति ने वातावरण में सम्मोहन पैदा कर दिया। सम्मानित कवि डॉ.कैलाश मण्डेला ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्व. सुरेन्द्र दुबे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

पहले कवि के रूप में आए हास्य कवि दिनेश बंटी ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से श्रोताओं को खूब हँसाया उनकी प्रसिद्ध रचना पंचायती नोहरा सुनकर श्रोता लोटपोट हो गए। लखनऊ से आए युवा ओजस्वी कवि प्रख्यात मिश्रा राम वही जो सबरी को सम्मान दिलाने वाले हैं, राम वही भारत की पहचान बनाने वाले हैं, सुनाकर वातावरण को देश भक्ति एवं भक्तिमयी कर दिया।

प्रसिद्ध व्यंग्यकार ब्यावर के शिव तूफान ने अपनी व्यंग्य रचना ''भगवान का पता'' सुनाकर मंच को ऊंचाइयां प्रदान की। सुप्रसिद्ध अन्तरराष्ट्रीय कवयित्रि डॉ. कीर्ति काले ने ''अयोध्या में अगर ढूंढों तो श्रीराम मिलते हैं, जो वृंदावन में ढूंढोगे तो फिर घनश्याम मिलते हैं, मगर मां बाप के चरणों में चारों धाम मिलते हैं तथा माँ गंगा पर पावन गीत एवं बेटी की विदाई की रचना प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। हास्य व्यंग्य के प्रसिद्ध कवि डा. प्रवीण शुक्ल ने अपने चिरपरिचित अंदाज में अपनी श्रेष्ठ रचना कुरुक्षेत्र युद्ध में भगवान कृष्ण के शस्त्र धारण को लेकर प्रस्तुत की जिससे सभी सम्मोहित हो गए। बिजयनगर के कवि नवीन शर्मा ने अपना श्रेष्ठ गीत पाठ किया।

सुरेन्द्र दुबे स्मृति आठवें सम्मान से सम्मानित कवि एवं साहित्यकार डॉ. कैलाश मण्डेला ने वातावरण को उन्मुक्त करते हुए अपनी श्रेष्ठ गुरुवन्दना असीम जिनकी चेतना, सुकृत्य से विशाल है, अनन्त श्री विभूषितम समर्थ गुरु दयाल है तथा गुरु जगमग करता तारा रे, अेड़ी जोत जळा दी, मन का मिटग्या सकल अन्धारा रे सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। आनन्दित श्रोताओं का आलम ऐसा रहा कि कवि मण्डेला पर नोटों एवं फूलों की बरसात काव्यपाठ के दौरान निरन्तर होती रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी आनन्द ब्रह्मचारी महाराज ने कविसम्मेलन को सफल बताते हुए अपनी काव्यमयी प्रस्तुति दी।

राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी का अदालती आदेश आश्चर्यजनक व अनावश्यक : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को शनिवार को आश्चर्यजनक व अनावश्यक बताया जिसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में प्राथमिकी दर्ज करने को कहा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता के बेबुनियाद आरोपों पर प्राथमिकी के आदेश देना आश्चर्यजनक एवं न्यायपालिका द्वारा कार्यपालिका पर अनावश्यक बोझ डालने जैसा है।

गहलोत ने कहा, पूर्व में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जुलाई 2025 एवं उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश द्वारा 2019 में ऐसी याचिकाओं को खारिज किया जा चुका है। इसके बावजूद अब जांच का आदेश देना समझ से परे है। उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ शुक्रवार को दोहरी नागरिकता के कथित विवाद के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (प्राथमिकी) दर्ज होने के बाद राज्य सरकार किसी भी केंद्रीय एजेंसी को मामले की जांच करने का निर्देश दे सकती है।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपों के प्रथम दृष्टया अवलोकन से संज्ञेय अपराध बनता है, इसलिए मामले की जांच आवश्यक है। यह अर्जी शुरू में रायबरेली की विशेष सांसद/विधायक अदालत में दायर की गई थी लेकिन शिकायतकर्ता विग्नेश की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 17 दिसंबर, 2025 को उक्त आपराधिक शिकायत मामले को रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की सांसद/विधायक अदालत ने 28 जनवरी, 2026 को उक्त याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय में अपील की थी। एक बयान में गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी के पिता (राजीव गांधी) और दादी (इंदिरा गांधी) ने इस देश को एक और अखंड रखने के लिए शहादत दी है।

उन्होंने कहा, उनके परनाना (जवाहरलाल नेहरू) ने 10 साल अंग्रेजों से लड़ते हुए जेलों में बिताए और अपनी पूरी संपत्ति अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में दान कर दी। स्वयं राहुल गांधी ने देश में बढ़ते तनाव को खत्म करने एवं प्यार, मोहब्बत और भाईचारा कायम करने के लिए पूरे भारत में पदयात्रा की। ऐसे शख्स के खिलाफ इस तरह की कार्यवाही बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रदेश में भीषण गर्मी की चेतावनी

जयपुर। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर ने प्रदेश में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी का असर और तेज होने की संभावना है। शनिवार सुबह से हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और जैसलमेर जिलों में धूलभरी हवाएं चल रही हैं। इन इलाकों में आसमान में हल्के बादल भी छाए हुए हैं, जिससे मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। वहीं, अजमेर और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर बाद आंधी और हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। इससे कुछ क्षेत्रों में अस्थायी राहत मिल सकती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश के कारण दोपहर बाद लोगों को गर्मी से राहत मिली थी। इस दौरान हीटवेव का असर भी अपेक्षाकृत कम रहा।

इधर हनुमानगढ़, चूरू और श्रीगंगानगर जिलों में बदले मौसम का असर कृषि पर भी पड़ा है। तेज आंधी और मौसम परिवर्तन के कारण इन जिलों में कटी हुई फसलों को नुकसान होने की खबर है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के बाद एसडीएम काजल मीणा निलंबित

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की अधिकारी काजल मीणा को निलंबित कर दिया है। एक सरकारी आदेश में शनिवार को यह जानकारी दी गई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जिला करौली के नादोती की उपखंड अधिकारी काजल मीणा को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में दण्डनीय अपराध के लिए प्रथम दृष्टया लिप्त पाये जाने पर 16 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। कार्मिक विभाग के आदेश के अनुसार, ''अतः राज्य सरकार, राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 13 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आरएएस काजल मीणा को गिरफ्तारी की तारीख से निलंबित माने जाने का आदेश जारी करती है।'' निलंबन के दौरान अधिकारी का मुख्यालय शासन सचिव जयपुर के कार्यालय में रहेगा। एसीबी ने मीणा व उनके रीडर और एक अन्य कर्मचारी को कथित तौर पर 60,000 रुपये की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया था। मीणा आरएएस के 2024 बैच की अधिकारी और अनुसूचित जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों की वरीयता सूची की 'टॉपर' हैं। वह पहले टोंक में सहायक कलेक्टर (प्रशिक्षु) के रूप में तैनात थीं।

दिया कुमारी का विपक्ष पर हमला, कहा देश और महिलाएं कभी नहीं करेंगी माफ

जयपुर/दक्षिण भारत । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक ऐतिहासिक अवसर था, लेकिन विपक्ष के रवैये ने उनकी मानसिकता को उजागर कर दिया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आरोप लगाया कि जिस तरह से संसद में इस बिल पर बहस के दौरान विपक्ष ने विरोध किया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। उन्होंने विशेष रूप से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण विधेयक का पूर्ण रूप से विरोध किया। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इस व्यवहार को कभी नहीं भूलेंगी और इतिहास भी इसे याद रखेगा।, यह बिल महिलाओं को बराबरी और सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता था, लेकिन विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से इसका विरोध किया।

'ममता को मुख्यमंत्री के पद से हटाना होगा, वरना बांग्लादेशी मुसलमान बंगाल को हमसे छीन लेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को ममता बनर्जी सरकार पर पश्चिम बंगाल के संसाधनों को बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के हवाले करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल गंवा देंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शर्मा ने कालिम्पोंग में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि असम और त्रिपुरा की भाजपा सरकारों ने बांग्लादेशी मुसलमानों को भारत में प्रवेश करने से रोका है, जबकि बंगाल में अवैध घुसपैठ जारी है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने बंगाल का पूरा खजाना बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के लिए आरक्षित कर दिया है। उन्होंने वोट के लिए इस भूमि को बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दिया। शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से बनर्जी ने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा, हमें ममता बनर्जी को बंगाल के मुख्यमंत्री पद से हटाना होगा, वरना एक दिन बांग्लादेशी मुसलमान हमसे राज्य को छीन लेंगे। भाजपा नेता ने यह दावा भी किया कि बनर्जी के कार्यकाल में उत्तर बंगाल में कोई विकास नहीं हुआ। शर्मा ने कहा, बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही हम इस क्षेत्र से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकाल देंगे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर भाजपा गोरखालैंड मुद्दे का संवैधानिक समाधान खोजेगी और गोरखाओं को न्याय दिलाएगी।

कूच बिहार जिले के दिनहाटा में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा उनके खिलाफ निर्वाचन आयोग को दी गई उस शिकायत का जिक्र किया, जिसमें उन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के खिलाफ ''सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ और विभाजनकारी'' टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था।

महिला सशक्तीकरण पर कांग्रेस का 'दोहरी सोच' देश के सामने उजागर हुई : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि महिला सशक्तीकरण पर कांग्रेस की 'दोहरी सोच देश के सामने' उजागर हो गई है।

वह संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 पर कांग्रेस के विरोध का जिक्र कर रहे थे। इस विधेयक का पारित होना नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को लागू करने के लिए आवश्यक था। हालांकि, शुक्रवार को यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

चौधरी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, ''महिला सशक्तीकरण पर ढोंग करने वाली कांग्रेस की दोहरी सोच अब पूरे देश के सामने है। विपक्ष महिलाओं की प्रगति की राह में हमेशा बाधा बनकर खड़ा रहा है।'' उन्होंने कहा कि क्या देश की आधी आबादी को उनकी आवाज देना इतना मुश्किल था?

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''महिलाओं के सशक्त होने और भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने की संभावना से घबराकर, असुरक्षित विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के क्रियान्वयन का समर्थन नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के दौर में महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी की गई और आज विपक्ष में रहते हुए भी वही सोच फिर दिखाई दे रही है।''

विरासत प्रेमियों ने पटना के ऐतिहासिक सुल्तान पैलेस को 'ढहाए' जाने की आशंका जताई, लोगों में आक्रोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/नई दिल्ली/भाषा। बिहार मंत्रिमंडल ने पटना के मध्य में स्थित प्रतिष्ठित सुल्तान पैलेस की एक सदी से अधिक पुरानी ऐतिहासिक संरचना को संरक्षित रखते हुए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत पांच सितारा हेरिटेज होटल के निर्माण के प्रस्ताव को 10 सितंबर 2024 को मंजूरी दी थी। लेकिन एक रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद विरासत प्रेमियों ने आशंका जताई है कि सुल्तान पैलेस को 'ढहाया' जा सकता है।

राज्य सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद उसी दिन संवाददाता सम्मेलन में इस फैसले की घोषणा की थी, जिसका पटना के विरासत प्रेमियों और निवासियों ने स्वागत किया था।

हालांकि, लंबे समय से अटकी इस परियोजना पर कोई खास प्रगति नहीं हुई है, जिसे पहली बार राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा 2017 की शुरुआत में सार्वजनिक किया गया था और जिसके पूरा होने पर यह बिहार का पहला हेरिटेज होटल बन जाता। फिर भी, इसके संबंध में राज्य सरकार के कला और संस्कृति विभाग के सचिव की अध्यक्षता में ''लगभग पांच महीने पहले'' एक ''समिति'' का गठन किया गया था।

हालांकि, विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल) से कुछ दिन पहले, 16 अप्रैल को पटना के एक प्रमुख हिंदी दैनिक में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि समिति ने ''पाया'' है कि सुल्तान पैलेस, जिसे 1922 में दिग्गज वकील सर सुल्तान अहमद ने अपने निवास के रूप में बनवाया था, ''विरासत भवन के रूप में सूचीबद्ध नहीं है।''

इस रिपोर्ट ने विरासत स्थलों के संरक्षण के पैरोकारों में आक्रोश पैदा कर दिया है और उन्होंने आशंका जताई कि पांच सितारा होटल परियोजना के लिए इस प्रसिद्ध इमारत को ध्वस्त किया जा सकता है। इस इमारत का स्वामित्व वर्तमान में बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के पास है।

बिहार के उप मुख्यमंत्रियों को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने उप मुख्यमंत्रियों विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव की सुरक्षा बढ़ा दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दोनों उप मुख्यमंत्रियों को अब 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा चौधरी और यादव की सुरक्षा की समीक्षा किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा में प्रशिक्षित कर्मियों की एक समर्पित टीम शामिल होती है, जो उन्नत हथियारों से लैस होती है। इस बीच, एक अन्य अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य सरकार ने जद (यू) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। हालांकि, सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की सुरक्षा घटा दी है, जिन्हें पहले 'जेड-प्लस' सुरक्षा प्राप्त थी। सिन्हा को अब 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

विधेयक के पारित नहीं होने से कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की नारी विरोधी मानसिकता उजागर हुई : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' के पारित नहीं हो पाने पर विपक्षी दलों को निशाना बनाते हुए कहा कि नारी शक्ति के लिए जरूरी संविधान संशोधन विधेयक को पारित न होने देना कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन की नारी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। आदित्यनाथ ने शुक्रवार मध्यरात्रि को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज भारत के महान लोकतंत्र के इतिहास में एक काला अध्याय जुड़ गया।'' उन्होंने कहा, '' 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए जरूरी संविधान संशोधन विधेयक को पारित न होने देना 'भारत माता' के सम्मान पर आघात है। देश की समूची मातृशक्ति के साथ धोखा है। उनके लोकतांत्रिक अधिकार का हनन है।'' आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडी गठबंधन' ने अपनी नारी विरोधी मानसिकता को दर्शाया है।'' उन्होंने कहा, ''देश की नारी शक्ति सब देख और समझ रही है। वह इस छल एवं अन्याय को याद रखेगी तथा समय आने पर इसका उत्तर भी देगी।''

केंद्र ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश की दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने शनिवार को रेल मंत्रालय की लगभग 24,815 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में उत्तर प्रदेश में 403 किलोमीटर लंबी गाजियाबाद-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन और आंध्र प्रदेश में 198 किलोमीटर लंबी राजामुंदरी-विशाखापत्तनम तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। सरकार के एक बयान के अनुसार लाइन क्षमता में इस बढ़ोतरी से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। बयान में कहा गया, ''इन रेल खंड पर पटरियों की संख्या लाइन बढ़ाने से परिचालन व्यवस्थित होगी और भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक नए भारत की परिकल्पना के अनुरूप हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।''

महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस का रुख 'सामंती मानसिकता' : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस पर महिलाओं के साथ ''विश्वासघात'' करने का शनिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य विधानसभाओं में 2029 से महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए लाए गए संविधान संशोधन विधेयक के संसद के निचले सदन में पारित नहीं होने के बाद विपक्षी पार्टी जश्न मना रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर आरोप लगाया कि वे विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलने पर खुशी मना रहे हैं, जबकि विभिन्न दलों की महिला नेता दशकों से इसकी मांग कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस पार्टी ने गर्व से मुस्कुराते हुए, मेजें थपथपा कर, आम महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचले जाने का जश्न मनाया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इस बात का जश्न मनाया कि जिन महिलाओं ने वर्षों तक राजनीति में संघर्ष किया है और जो संसद में केवल 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रही थीं, उन्हें उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया।'' लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। ईरानी ने दावा किया कि कांग्रेस ने हाल के एक संवाददाता सम्मेलन में महिलाओं को राजनीतिक अधिकार दिलाने के सपने को लगभग 98 वर्षों तक पोषित करने का श्रेय लिया। हालांकि, उन्होंने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद में हुई घटनाओं ने पार्टी के असली इरादे को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा, ''संवाददाता सम्मेलन में ऐसा प्रदर्शित किया गया था कि पार्टी (कांग्रेस) ने देश की महिलाओं पर 98 वर्षों तक कोई बड़ा उपकार किया है, लेकिन इन 98 वर्षों में उस सपने का क्या हश्र हुआ? इस देश की महिलाओं ने शुक्रवार को संसद में यह देख लिया।''

भाजपा का पतन शुरू हो गया, केंद्र सरकार अल्पमत में: ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावड़ा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को संसद के निचले सदन में पारित करने में विफल रहने के बाद भाजपा का ''पतन'' शुरू हो गया है। हावड़ा के उलुबेरिया और दक्षिण 24 परगना के बरुइपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि शुक्रवार को संसद में हुए घटनाक्रम ने यह प्रदर्शित किया है कि भाजपा अपने बूते बहुमत वाली पार्टी नहीं रह गई है और यह दो सहयोगियों के समर्थन से सत्ता में बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''कल साबित हो गया कि यह अब बहुमत वाली सरकार नहीं हैं। यह अल्पमत सरकार है। वे दो पार्टियों के समर्थन से किसी तरह इसे चला रहे हैं।''

मुख्यमंत्री ने भाजपा की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सहयोगी दलों पर निर्भरता की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। बनर्जी ने सवाल किया कि महिलाओं के लिए आरक्षण को परिसीमन प्रक्रिया से क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने पूछा, ''इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है?'' उन्होंने एक बंगाली मुहावरे का हवाला देते हुए दावा किया कि ''केंद्र अपने असली इरादों को छिपाने की कोशिश कर रहा है।'' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, बनर्जी ने भाजपा को लोकसभा में मिली पराजय को एक व्यापक राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश की और इसे ''राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पतन की शुरुआत'' बताया।

तृणमूल प्रमुख ने उलुबेरिया में समर्थकों से कहा, ''मोदी साहब का पतन कल दिल्ली में शुरू हुआ। लोकसभा में आप हार चुके हैं, अब आपको जमीनी स्तर पर शिकस्त मिलेगी। बंगाल उस ओर ले जाएगा।'' अपने खास अंदाज में, बनर्जी ने राजनीतिक हमलों को व्यक्तिगत किस्सों के साथ मिलाकर पेश किया। महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग से लंबे जुड़ाव को याद करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह 1998 से इस मुद्दे के लिए संघर्ष कर रही हैं, भाजपा द्वारा इसे मुद्दा बनाने से बहुत पहले से। यह महिलाओं का विधेयक नहीं था। मैं 1998 से महिलाओं के लिए आरक्षण को लेकर संघर्षरत हूं। वे झूठ फैलाने के लिए मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।''

तृणमूल सरकार के गिनती के दिन शेष बचे हैं : समिक भट्टाचार्य

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शनिवार को राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए उसे अब अप्रासंगिक करार दिया और कहा कि इस सरकार के केवल गिनती के दिन शेष हैं।

तृणमूल शासन पर लोकतंत्र को कुचलने और कानून-व्यवस्था को ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए भट्टाचार्य ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक हिंसा भयावह स्तर पर पहुंच गई है, जबकि पुलिस ने इसपर आंखें मूंद रखी हैं। उन्होंने कहा, ''राज्य की जनता लोकतंत्र की बहाली चाहती है। पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से नदारद है, जहां 2021 के चुनाव के बाद तृणमूल ने भाजपा के 253 पदाधिकारियों की हत्या कर दी।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ''सैकड़ों महिलाओं से बलात्कार किए गए और उन्हें यातनाएं दी गईं। तृणमूल के 'गुंडों' द्वारा मचाई गई हिंसा लोकतंत्र पर हमला है।'' उन्होंने याद दिलाया कि 2011 में ममता बनर्जी ने 'लोकतंत्र की बहाली' के नारे के साथ वाम मोर्चे के 34 वर्ष के शासन का अंत किया था। भट्टाचार्य ने कहा, लेकिन इसके तुरंत बाद, उनकी पार्टी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की गुंडागर्दी और बाहुबल को अपना लिया और अगले दो कार्यकाल तक आतंक का राज कायम किया।

भारत में 90% सिंथेटिक ट्रैक घटिया गुणवत्ता के हैं, एएफआई प्रमाणन प्रक्रिया में शामिल होगा

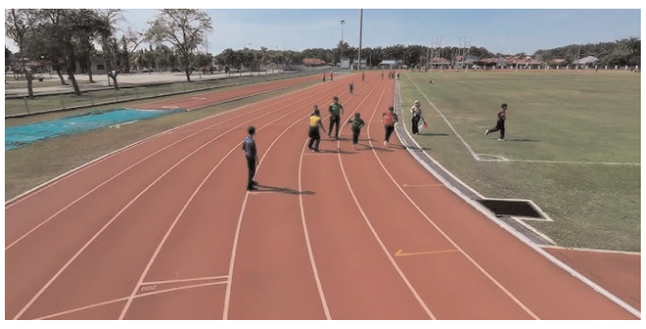

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में एथलेटिक्स के बुनियादी ढांचे को लेकर एक गंभीर और चौंकाने वाला खुलासा करते हुए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने कहा है कि देश में इस्तेमाल हो रहे लगभग 90 प्रतिशत सिंथेटिक ट्रैक मानकों के अनुरूप नहीं हैं।

सुमरिवाला ने कहा कि यह समस्या केवल सामग्री की गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया, मार्किंग और समग्र निर्माण मानकों में भी गंभीर खामियां हैं। उन्होंने बताया कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने इस मुद्दे पर एएफआई को सक्रिय भूमिका निभाने और स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं। सुमरिवाला ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं किसी ट्रैक का नाम नहीं लूंगा, लेकिन इतना जरूर कह सकता हूं कि भारत में 90 प्रतिशत से अधिक ट्रैक सामग्री, निर्माण प्रक्रिया और मार्किंग के लिहाज से मानकों से नीचे हैं। हमने टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स के साथ एक बैठक की थी (पिछले वर्ष विश्व चैंपियनशिप के दौरान), जहां उन्होंने हमें कुछ आंकड़े दिखाए, जो काफी चौंकाने वाले थे। उन्होंने बताया, कुछ मामलों में स्थिति बेहद खराब है, जहां असली पॉलीयुरेथेन की जगह पुराने टायरों के रबर का उपयोग किया जा रहा है और ऊपर से केवल रंग चढ़ा दिया जाता है। ऐसे ट्रैक कुछ महीनों में ही खराब हो जाते हैं और उन पर प्रदर्शन करना मुश्किल हो जाता है।

कानून-व्यवस्था की स्थिति अब भी संवेदनशील, लेकिन नियंत्रण में : वाई खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन नियंत्रण में है। सिंह ने राज्य सचिवालय में असम राइफल्स आईजीएआर (दक्षिण) के साथ बैठक करने के बाद ये टिप्पणियां कीं।

मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, आज सचिवालय में आईजीएआर (दक्षिण) के मेजर जनरल गौरव शर्मा द्वारा दी गई ब्रीफिंग में इस बात की पुष्टि की गई कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति संवेदनशील है लेकिन नियंत्रण में है, और सुरक्षा बल सभी प्रकार की गड़बड़ियों से अत्यंत सावधानी और संयम से निपट रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अशांति भड़काने वाली अफवाहों और गलत सूचनाओं के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। बिष्णुपुर के ट्रोंगलाओबी में सात अप्रैल को हुए बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद इंफाल घाटी के पांच जिलों में विरोध प्रदर्शनों और सुरक्षा बलों के साथ झड़पों की खबरें सामने आईं। उन्होंने कहा कि सरकार न्याय सुनिश्चित करने और राज्य भर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

राहुल और स्टब्स के अर्द्धशतकों से कैपिटल्स ने आरसीबी को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में शनिवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) को छह विकेट से शिकस्त दी।

सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को आठ विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए। टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया। सॉल्ट ने अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए, लेकिन अक्षर पटेल (18 रन पर दो विकेट), कुलदीप यादव (32 रन पर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (39 रन पर दो विकेट) ने अन्य बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया। मुकेश कुमार को भी एक सफलता मिली। सॉल्ट ने पहले विकेट के लिए विराट कोहली (19) के साथ 31 गेंद में 52 रन और दूसरे विकेट के लिए देवदत्त पडिक्कल (18) के साथ 29 गेंद में 47 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन 11वें ओवर में उनके आउट होने के बाद टिम डेविड (17 गेंद में 26 रन) के अलावा कोई भी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सका।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को भुवनेश्वर कुमार ने अपने शुरुआती दो ओवर में तीन झटके दिए। उन्होंने पहले ओवर में ही पथुम निसांका (एक) को पगबाधा आउट किया और तीसरे ओवर में करुण नायर (पांच) और समीर रिजवी (दो) को पवेलियन भेजा। राहुल ने दूसरे छोर से जोश हेजलवुड का स्वागत छक्के से किया और चौथे ओवर में रसिक सलाम के खिलाफ मिड-ऑफ के ऊपर से शानदार चौका जड़ा। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बावजूद पांचवें ओवर में हेजलवुड के खिलाफ स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगाया और लगातार गेंदों पर चौके जड़कर दबाव को टीम पर हावी नहीं होने दिया। पावरप्ले में दिल्ली ने तीन विकेट पर 50 रन बना लिए। स्टब्स संभलकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि राहुल ने सुयश शर्मा के खिलाफ तीन चौके लगाकर रन गति को बनाए रखा और 30 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

सूर्यवंशी को अपने खेल का लुत्फ उठाने दे : संगकारा

कोलकाता/भाषा। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी के इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा कि इस किशोर खिलाड़ी को अपने खेल का आनंद लेते रहना चाहिए और उसके बारे में कम कहा जाए तो बेहतर है।

संगकारा ने कहा कि वैभव की आईपीएल यात्रा शानदार पारियों और सीखने के अनुभवों का मिश्रण है, और इस उम्र में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं। उन्होंने कहा, मेरा संदेश सरल है हर स्थिति का लुत्फ लो। चाहे 35 गेंदों में 100 रन हों, 15 गेंदों में 50 रन या पहली ही गेंद पर आउट होना। खेल में रन बनाना और आउट होना, दोनों ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं। अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंद में 175 रन बनाने वाले इस बल्लेबाज ने मौजूदा आईपीएल सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुमराह और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ हेजलवुड जैसे गेंदबाज़ों पर भी आक्रामक प्रहार किए हैं।

सुविचार

अपनी योग्यता को पहचानें। हर इंसान के भीतर एक विशेष हुनर होता है, बस उसे तराशने की जरूरत है।

ट्वीट

कांग्रेस पार्टी का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के प्रति उपेक्षापूर्ण रहा है। शाहबानो प्रकरण इसका स्पष्ट उदाहरण है, जब कांग्रेस सरकार ने संविधान में बदलाव कर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी बना दिया और एक महिला को न्याय से वंचित कर दिया।

-मदन राठौड़

यह बहुत दुख की बात है कि संविधान बिल–2026 आज लोकसभा में पास नहीं हो पाया। यह सिर्फ़ एक बिल की हार नहीं है, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों और उनके मज़बूत भविष्य के सपनों पर एक झटका है।

-वसुंधरा राजे

कहानी

झुमरू चाय वाला

सुधीर कुमार सोनी

मोबाइल 9826174067

कल जब सूखी रोटी थाली में दूँगी, तब मत कहना मुझे कुछ? तीन दिन से कह रही हूँ कि सामान ला दो पत्नी ने बेटे के सामने ताना मारा मुझे। बेटे से बाजार जाकर कुछ भी सामान लाना नहीं होता है। रसोई घर की कुछ जरूरी चीजें खत्म हो गई थी। मैंने भी लापरवाही दिखाई थी, और अधिक ताना मुझे न सुनना पड़े यह सोचकर मैन थैला उठाया और गोल बाजार की तरफ निकल पड़ा। लिस्ट में लिखे सामान को खरीदा और मेरे स्कूली मित्र मिट्ठुलाल की चाय की दुकान पर पहुँच गया। चाय की दुकान बाजार के पास ही थी। मैं जब जब बाजार आता हूँ तो मिट्ठुलाल की दुकान में मुफ्त की शानदार चाय जरूर पीता हूँ। बाजार में भीड़ थी,जो उसकी अपनी पहचान है। आड़ी तिरक्षी रखी गाड़ियाँ से बचते और लोंगो से टकराए बिना आप बाजार नहीं पहुँच सकते। मिट्ठुलाल की दुकान के समीप पहुँचकर मैंने आवाज लगाई भाई मिट्ठुलाल राम–राम कैसे हो, बहुत दिनों बाद बाजार आये हो तुम ? मिट्ठुलाल ने पूछा

मैं तो ठीक हूँ। तुम्हारी चाय की दुकान का क्या हाल है। झुमरू कहाँ है आजकल? मैंने पूछा झुमरू अपनी चाय की दुकान खोलने वाला है मिट्ठुलाल ने कहा।उसी समय टेबल में रखी मोबाइल की घंटी बजी। मिट्ठुलाल ने उठाकर बात की अरे भाई कोमल मैं स्वयं चाय लेकर आ रहा हूँ। झुमरू ने छोड़ दिया है इसलिए इतनी दिक्कत है मिट्ठुलाल ने फोन रखा और कहा तुम पाँच मिनट बैठो मैं दो जगह चाय देकर आता हूँ केतली और चाय लेकर वह स्वयं चला गया। कुछ समय बाद वह आया, साथ में एक लड़का भी था वह चाय सप्लाई वाला लड़का होगा, क्योंकि उसके हाथ में भी गिलास और बड़ा सा थर्मस था। मिट्ठुलाल दुकान के अपने काउंटर में आकर बैठा और उस लड़के को समझाया कि कहाँ कहाँ चाय देना है। थोड़ा सुस्ता कर बोला बढ़िया चाय बनाऊँ या यही चाय चल जायेगी?

यही चल जाएगी यार मैंने उसके कंधे पर हाथ रखकर कहा। थोड़ी देर रुक कर मैं ही बोला यार कुछ परेशानी सी झलक रही है तुम्हारे चेहरे पर? कुछ नहीं, जब से झुमरू ने छोड़ा है कुछ परेशान सा हूँ। मन स्थिर नहीं है मिट्ठुलाल ने कहा। क्या बात है, बताएगा भी? मैंने कहा।

जब से झुमरू गया है मेरी परेशानी बहुत बढ़ गई है। कुछ दिनों तक मैं खुद चाय पहुँचाता रहा। बड़ी मुश्किल से ये लड़के मिले, लेकिन ये भी अभी तक दुकानों तक नहीं पहुँच पाते हैं।जबकि इन्हें तीन महीने हो गए। इसी बीच एक ग्राहक को उसने ने चाय दिया। थोड़ी देर चुप रहा वह फिर बोला झुमरू ने जब मेरे यहाँ चाय सप्लाई का काम चालू किया था, मैं उसे साढ़े तीन सौ रुपये देता था। उसमें भी बेचारा खुश था।रविवार को उसे दस बीस रुपये देता रहा। वह उस समय बारह साल का था। मेरे दो सौ से ऊपर ग्राहकों को वह वर्षों से सम्हाल रहा था। पहले दुकानों के नौकर चाय बोलने आते थे। अब जब से मोबाइल आ गया मोबाइल से ऑर्डर आने लगे। उसने सब सम्हाल लिया। एक–एक ग्राहक के नाम, दुकानों के नाम उसे मुँह जुबानी याद थी। मुझ नालायक को देखो, इसी दुकान से मैंने घर बनवाया। दो बेटियों और एक बेटे का विवाह किया। इसमें मेहनत तो झुमरू ने भी बहुत किया। चाय के लिए दुकानों में दौड़ लगाई है। मैंने बीस साल में उसे साढ़े तीन सौ रुपये से साढ़े तीन हजार रुपये ही दे पाया। यह भी नहीं सोचा कि वह इतने पैसे में कैसे खर्चा चलाता होगा। इतना कहकर रुंआसा गया, उसके आँखे भींग गई। उसे यह कहते हुए सामने वाला दुकानदार भी सुना रहा था। अरे मगर इसमें रोने वाली क्या बात है मैंने उसकी पीठ को सहलाया। मुझे लगा कि उसके भीतर कुछ चरमराकर टूट रहा है और वह स्वयं टूटते देखे जा रहा है। सामने वाले दुकान के मालिक ने आवाज लगाई मिट्ठुलाल तुम बहुत नरम दिल हो, जो यह सोच रहे हो, मुझे संबोधित करते हुए उसने कहा भाईजी उस दिन भी मुझे यही कहानी सुनाकर रो पड़े थे। आजकल कौन अपने नौकर के विषय में इतना सोचता है। झुमरू भी बिलकुल ऐसा ही है, बहुत ईमानदार इतना कहकर वह अपने ग्राहकों को समान देने में उलझ गया। ऐसा नहीं था कि मिट्ठुलाल कंजूस है। बहुत दयालु भी है वह। हम दोनों एक दिन झुमरू को दुकान में बैठाकर पान ठेले में पान खाने गए थे। पान की दुकान के बगल में दवाई की दुकान है। हम पान वाले से बात कर ही रहे थे कि दवाई की दुकान में एक अधेड़ व्यक्ति आया। उसके पैर में प्लास्टर बंधा था, सर में पट्टी बँधी थी। उससे ढँग से चला नहीं जा रहा था। उसने बैसाखी का शायद पहली बार उपयोग किया हो। वह अपनी दवाई की पर्ची दुकान वाले को दी।दुकान वाले ने पैसे बता दिए। उसने जेब मे हाथ डाले और बोला पैसे कम हैं, आकर ले जाता हूँ । मिट्ठुलाल पान वाले की दुकान छोड़ दवाई की दुकान गया और बोला कितना हुआ है, इनको दवाई दे दो। मिट्ठुलाल ने दवा के सात सौ रुपये चुकाए और एक ऑटो वाले को उसके घर तक पहुंचाने का पैसा भी दिया था।

थोड़ी देर की चुप्पी के बाद मिट्ठुलाल बोला।

मैंने कितनी ज्यादती की है उस गरीब पर मिट्ठुलाल ने अपने आँसू पोछते हुए कहा।

आज चार चार हजार के तीन नौकर हैं फिर भी काम नहीं हो पा रहा है। ये लोग अभी तक सभी दुकानों को नहीं पहचान पाएं हैं, जो अकेला मेरा झुमरू कर लेता था। झुमरू ने छोड़ने के बाद तुमसे कोई शिकायत की, कि पैसे कम देते थे? मैंने पूछा। नहीं, ना अभी और पहले कभी भी नहीं की कोई शिकायत मिट्ठुलाल ने बड़े आत्मविश्वास के साथ कहा मुझे अभी यह चिंता नहीं है कि पैसे कम आ रहे हैं। पैसे तो कुछ दिन बाद आ ही जायेंगे। लड़का नौकरी करता अच्छी खासी तनख्वाह है उसकी, पैसे की चिंता नहीं है। मुझे पश्चाताप है कि उस गरीब को मैंने कितना बड़ा धोखा किया है। मेरी पत्नी भी मुझसे नाराज है कह रही थी कि कुछ तो सोचना चाहिए था कि वह घर कैसे चलाता होगा, बेचारा।

जहाँ तक मिट्ठुलाल को मैं जनता वह किसी के पास चाय पीने के बाद अगर पैसे न हो तो वह कह देता जब कभी इधर से निकलो मन हो तो दे देना। नहीं भी दोगे तो कोई बात नहीं। झुमरू के दोस्त या रिश्तेदार चाहे जितने भी आ जाएं, वह कभी भी पैसा नहीं लेता था। ठण्ड और बारिश में खुद झुमरू मांगने वालों या किसी भी जरूरत मंद को बिना पैसे के चाय पिला देता था। मिट्ठुलाल ने कभी भी कोई नाराजगी नहीं जताई। यह बात पूरा बाजार जानता है ।

अभी क्या करने की सोच रहे हो मैंने कहा, मैं उसकी दुकान गया था, उसके पास शक्कर और शक्कर चायपत्ती छोड़ आया था। उससे कहा जो भी जरूरत हो मुझे बताना जरूर।

हम एक बार चाय पी चुके थे। उसने दूसरी बार चाय देते हुए कहा मैं उसके ब्याह की सोच रहा था। लड़की भी है, हमारे काम वाली बाई की, इसकी की जात बिरादरी की है। वह जानती है इसे वह बात मान जाएगी ? मैंने पूछा हाँ मुझे और पत्नी दोनों को बहुत मानती है वह मिट्ठुलाल ने पूरे विश्वास से कहा। एक बात कहूँ मैंने कहा तुम्हारे पास पैसा है, सब कुछ है तुम्हारे पास। तुम्हारा बेटा तो कभी इस दुकान में तो नहीं बैठने वाला कभी? वह तो कहता है क्या जरूरत है बैठने की मिट्ठुलाल ने कहा। एक बात मानोगे हाँ तुम झुमरू को यह दुकान दे दो। तुम आते–जाते रहो। उसे सम्हालने दो दुकान। जब कुछ जरूरत हो ले लेना,या तय कर लो खर्चे के बाद जो बचे उसे हिसाब से बांट लो मैंने अपने मन की बात कह दी। बिलकुल सही कह रहे हो तुम। कल मेरी पत्नि भी यही कह रही थी। मुझे ऐसा ही करना चाहिए । झुमरू भी बहुत खुश होगा मैंने महसूस किया कि उसके चेहरे की उदासी की परतें प्याज के छिलके की तरह धीमे–धीमे उतर रहीं हैं। मैं सामान लेकर वापस घर आ गया। गोल बाजार के व्यापारी संघ और सरकार के बीच की तकरार अखबार में रोज छप रही थी।

मिट्ठुलाल से मिल कर आए हुए मुझे दो हफ़्ते हो गए थे। अचानक एक रात को साढ़े सात बजे घंटी बजी। बालकनी से झांका तो देखा झुमरू खड़ा था। नीचे उतरकर दरवाजा खोला तो झुमरू ने पैर पड़े और पीछे से मिट्ठुलाल ने हाथ हिलाकर पूछा क्या भाईजी ? तुम्हारे भतीजे का ब्याह है चार दिन बाद, सभी को आना है उस दिन मैंने देखा मिट्ठुलाल के चेहरे पर एक अलग सी चमक थी। हाँ भई झुमरू के दुल्हा बनेगा तो नाचने जरूर आऊँगा। घर के सभी आएंगे। कार्ड देकर झुमरू और मिट्ठुलाल दोनों हँसते चले गए। मैं सोचने लगा झुमरू अब दुकान का मालिक बनने जा रहा है। उसने मेहनत की है। अब बाँस बाँसुरी बनने जा रहा है। बाँस से बाँसुरी बनने का सफर लम्बा था।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

असार का सार

मनुष्य के मानस में कभी न कभी यह प्रश्न अवश्य उठता है कि उसका जन्म क्यों हुआ है? क्या केवल जन्म लेने, जन्म को भोगने और जन्म को मरण तक ले जाने का माध्यम भर है मनुष्य? वस्तुत: जीवन समय का साक्षी बनने के लिए नहीं है अपितु समय के पार जाने की यात्रा है। अपार सृष्टि के पार जाने का, मानव देह एकमात्र अवसर है, एक मात्र माध्यम है। यह सत्य है कि एक जीवन में कोई बिरला ही पार जा पाता है, तथापि एक जीवन में प्रयास कर अगले तिरासी लाख, निन्यानवे हजार, नौ सौ निन्यानवे जन्मों के फेरे से बचना संभव है। मानव देह में मिले समय का उपयोग न हुआ तो कितना लम्बा फेरा लगाकर लौटना पड़ेगा!

जीवन को क्षणभंगुर कहना सामान्य बात है। क्षणभंगुरता में जीवन निहारना, असामान्य दर्शन है। लघु से विराट की यात्रा, अपनी एक कविता के माध्यम से स्मरण हो आती है–

जीवन क्षणभंगुर है,
सिक्का बताता रहा,
समय का चलन बदल दिया,
उसने सिक्का उलट दिया,
क्षणभंगुरता में ही जीवन है,
अब सिक्के ने कहा,
शब्द और अर्थ के बीच,
अलख दृष्टि होती है,
लघु से विराट की यात्रा
ऐसे ही होती है.. !

ज्ञान मार्ग का जीव मनुष्येतर जन्मों को अपवाद कर देता है, एक छलांग में इन्हें पार कर लौट आता है फिर मनुज देह को धारण करने, फिर पार जाने के लिए। मनुष्य जाति का आध्यात्मिक इतिहास बताता है कि ज्ञानशलाका के स्पर्श से शनै:–शनै: अंतस का ज्ञानचक्षु खुलने लगता हैं। अपने उत्कर्ष पर ज्ञानचक्षु समग्र दृष्टिवान हो जाता है महादेव–सा। यह दर्शन सम्यक होता है। सम्यक दृष्टि से जो दिखता है, अद्वैत होता है विष्णु–सा। अद्वैत में सृजन का एक चक्र अंतर्निहित होता है ब्रह्मा–सा। ज्ञान मनुष्य को ब्रह्मा, विष्णु, महेश–सा कर सकता है। सर्जक, सम्यक, जागृत होना, मनुष्य को त्रिदेव कर सकता है।

जिसकी कल्पना मात्र से शब्द रोमांचित हो जाते हैं, देह के रोम उठ खड़े होते हैं, वह 'त्रिदेव अवस्था' कैसी होगी! भीतर बसे त्रिदेव का साक्षात्कार, द्योतक है सृष्टि के पार का। असार है संसार। असार का सार है मनुष्य होना। सार का स्वयं से साक्षात्कार कहलाता है चमत्कार। यह चमत्कार दही में अंतर्निहित माखन–सा है। माखन पाने के लिए बिलोना तो पड़ेगा। माँ यशोदा ने बिलोया तो साक्षात श्याम को पाया।

संभावनाओं की अवधि, हर साँस के साथ घट रही है। अपनी संभावनाओं पर काम आरंभ करो आज और अभी। असार से केवल 'अ' ही तो हटाना है। साधक जानता है कि अ से 'आरंभ' होता है। आरंभ करो, सार तुम्हारी प्रतीक्षा में है।

विशेष

आखातीज : अबूझ मुहूर्त का मतलब मनमानी नहीं है

बाल मुकुन्द ओझा

अक्षय तृतीया या आखातीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। इस वर्ष आखातीज 19 अप्रैल को है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। इस दिन अबूझ सावे के कारण देशभर में लाखों की संख्या में विवाह होते है। मगर आखातीज का मतलब मनमानी नहीं है। लोग इस दिन अपनी कन्याओं का छोटी उम्र में विवाह कर देते है जो कानूनी दृष्टि से अपराध है। इस दिन बड़ी संख्या में विवाह होते हैं जिनमें बाल विवाह शामिल हैं। बाल विवाह का अर्थ है छोटी आयु में शादी। अर्थात 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होना। एक अधिकृत जानकारी के अनुसार देश में 2023 में करीब दो लाख बाल विवाह रोके गए लेकिन अब भी देश में हर पांच में से एक लड़की की शादी कानूनी उम्र 18 साल से पहले कर दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह दरों में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, और इस उपलब्धि में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 के मुताबिक 20–24 वर्ष की आयु की 23.3 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हुई है। 25–29 वर्ष की आयु के 17.7 प्रतिशत पुरुषों की शादी 21 वर्ष की आयु से पहले हुई है। इसी भांति 2006 में बाल विवाह का प्रचलन 47 प्रतिशत था, जो 2019–21 में लगभग आधा होकर 23.3 प्रतिशत हो गया है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, झारखंड, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में बाल विवाह का प्रचलन राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

भारत में बाल विवाह की प्रथा का अनादिकाल से प्रचलन है। लाख कोशिशों के बाद भी हम इस कुप्रथा को समाप्त नहीं कर पाये हैं। सभ्य समाज के मुंह पर यह एक तमाचा है। यह मानव जीवन की सबसे बड़ी और दु:खदाई त्रासदी है। बाल विवाह की यह सामाजिक बुराई हिन्दी और अहिन्दी दोनों राज्यों में समान रूप से प्रचलित है। विशेषकर राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और पं. बंगाल में इसका सर्वाधिक बोलबाला है। शिक्षित और अशिक्षित दोनों समाज इसमें शामिल हैं।

छोटी आयु में विवाह का मुख्य कारण अशिक्षा गरीबी है। अभिभावक गरीबी के कारण अपनी बेटी का जल्दी विवाह कर एक सामाजिक दायित्व से निवृत्त होना चाहते हैं। नासमझी और अशिक्षित होने के कारण उन्हें यह ज्ञान नहीं है कि वे अपनी बेटी को एक अंधे कुंए की ओर धकेल रहे हैं जिसमें से वह ताउम्र नहीं निकल पायेगी। छोटी आयु में विवाह के कारण लड़की को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है। खेलने–कूदने के दिनों में वह सेक्स की शुरूआती एवं प्रारम्भिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझती रहती है। इसके अलावा बालिका वधु को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। शारीरिक रूप से अपरिपक्वता के साथ–साथ उसे शिक्षा से भी वंचित होना पड़ता है। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 में बाल विवाह घोर दण्डात्मक अपराध माना गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 40 प्रतिशत विवाह भारत में होते हैं। इनमें 49 प्रतिशत लड़कियों के विवाह 18 वर्ष से कम आयु में हो जाते हैं। लिंग भेद और अशिक्षा को सबसे बड़ा कारण माना गया है। राजस्थान सहित बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पं. बंगाल आदि राज्यों में स्थिति सर्वाधिक खराब है। बाल विवाह आज भी ज्वलन्त समस्या के रूप में हमारे सामने है। यह अनादिकाल से चली आ रही है। सामाजिक मान्यता मिलने के कारण इसे बढ़ावा मिला। इसी कारण इस कुप्रथा ने विकराल रूप धारण कर लिया। अशिक्षा एवं अंधविश्वासी समाज ने इस कुप्रथा को अपना लिया।

बाल विवाह को बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी माना गया है। जब तक बच्चे बालिग या समझदार न हो जायें और अपने भले–बुरे की पहचान के योग्य नहीं हो जायें तब तक बाल विवाह किसी भी स्थिति में नहीं किये जाने चाहिये। यह भी वैज्ञानिक परिणामों से स्पष्ट है कि बाल विवाह से अच्छे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा का अधिकार, खेलने–कूदने के अवसर हासिल नहीं होते। कच्ची उम्र में शादी होने से स्वास्थ्य एवं जननांगों पर खराब असर पड़ता है जिसे बच्चों को ताउम्र झेलना पड़ता है। यह भी सही है कि छोटी उम्र में विवाह से लड़कियों को लड़कों की अपेक्षा अधिक हानि उठानी पड़ती है। असुरक्षित यौन सम्बन्धों से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। फलस्वरूप अनेक भीषण बीमारियों से ग्रस्त होना आम बात हो गई है। बाल विवाह के कारण बार–बार गर्भधारण और असमय गर्भपात का सामना करना पड़ता है। नवजात शिशु के भी अकाल मौत का शिकार होने का अन्देशा बना रहता है। कुपोषण एवं खून की कमी से मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

लड़की की भटकती आत्मा

कुछ साल पहले ताहिरा नामक एक लड़की एक दुर्घटना में मौत का शिकार हो गई थी। लेकिन उसकी हर बरसी के बाद पुलिस को यह रिपोर्ट मिली कि किसी नीली साड़ी वाली लड़की ने अमुक स्थान पर रात में किसी मोटरकार को रास्ते में रोका और उसके चालक से पास की जगह पर लिफ्ट ' देने को याचना की । उस लड़की से मुलाकात के एक–दो दिन बाद ही वह कार चालक स्वयं भी किसी–न–किसी हादसे का शिकार होकर मौत के मुंह में चला गया। नीली साड़ी वाली इस रहस्यमय लड़की का पहला शिकार कराची का एक उद्योगपति हुआ। यह उद्योगपति आधी रात के बाद एक नाइट क्लब से निकलकर कार से अपने घर जा रहा था कि रास्ते में उसे एक नीली साड़ी वाली लड़की ने रोका। कार रुकी तो लड़की ने कहा––अगर आपको तकलीफ न हो, तो आप मुझे मेरे घर तक छोड़ दीजिए। उद्योगपति इसके लिए राजी हो गया। लेकिन जब उसने अपनी गाड़ी उस लड़की के बताए हुए मोहल्ले में रोकी तो उसने पाया कि लड़की कार से गायब थी।

उस नौजवान ने यह अनोखी घटना अपने कई दोस्तों को भी सुनाई । घटना के तीन–चार दिन बाद ही एक कार दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। इस घटना के कुछ दिन बाद ही एक मैकेनिक तथाकथित प्रेत छाया का शिकार हो गया। रात्रि के समय वह मैकेनिक कारखाने से अपना काम निबटाकर स्कूटर से अपने घर वापस लौट रहा था। रास्ते में उसे एक नीली साड़ी वाली लड़की ने रोका और उससे प्रार्थना की कि वह उसे पास की ही एक इमारत तक पहुंचा दे ।

बताया जाता है कि मैकेनिक पहले तो कुछ झिझका, लेकिन तभी उसकी निगाह लड़की की गर्दन के आसपास के कुछ जख्मों पर पड़ी और उसका हृदय पसीज उठा। रास्ते भर लड़की पूरी तरह मौन रही। स्कूटर के रुकने पर वह चुपचाप उससे उतर पड़ी और अभी मैकेनिक ने आगे बढ़ने के लिए अपना स्कूटर मोड़ा भी नहीं था कि वह पूरी तरह अदृश्य हो चुकी थी। आप पूछेंगे, मैकेनिक का क्या हुआ ? वह दो–चार दिन बाद ही अपने कुछ दोस्तों के साथ समुद्र में नहाने के लिए निकला और वहां पानी में डूबकर उसकी मृत्यु हो गई।

मैकेनिक के बाद एक पुलिस अधिकारी की बारी आई। तस्करी–नियंत्रण विभाग का यह वरिष्ठ अधिकारी एक रात कार से अपने घर वापस लौट रहा था। उसने देखा कि नीली साड़ी पहने एक लड़की उसे रुकने का इशारा कर रही थी। उसने अपनी गाड़ी रोक दी। लड़की ने उसे बताया कि वह एक दुर्घटना में जख्मी हो गई है और जल्दी–से– जल्दी अपने घर पहुंचना चाहती है। पुलिस अधिकारी को उसने अपनी गर्दन पर हुए जख्म दिखाए।

आखिर वह उसे उसके घर तक लिफ्ट देने के लिए राजी हो गया। उसकी गाड़ी एक बंगले के सामने पहुंची, लड़की ने उसे वहीं रुकने का इशारा किया। लड़की के अंदर जाने पर अधिकारी ने एहतियातन उस बंगले का नंबर नोट कर लिया और फिर कार अपने गंतव्य की ओर मोड़ ली। दूसरे दिन उस लड़की के बारे में आवश्यक जानकारी लेने जब वह अधिकारी उस बंगले पर पहुंचा, तो वहां रहने वाले एक वृद्ध सज्जन ने कहा कि संदिग्ध लड़की का हुलिया बिल्कुल उसकी अपनी बेटी ताहिरा जैसा है।

उसने बताया कि बरसों पहले एक दिन ताहिरा अपने भाई के साथ सैर करने के लिए निकली थी। आधी रात के बाद जब वह वापस लौट रहे थे तभी उनकी कार एक बिजली के खंभे से जा टकराई। लड़का तो बच गया लेकिन ताहिरा ने वहीं दम तोड़ दिया। लेकिन बूढ़े पिता की यह कहानी सुनने के बाद पुलिस– अधिकारी पर क्या बीती ? तीन–चार दिन बाद ही तस्करों के एक गिरोह को पकड़ने की कोशिश करते हुए वह गोलियों का शिकार हो गया।

वीर गाथा

हवलदार जयपाल सिंहः शरीर से खून बहता रहा, लेकिन बंदूक आग उगलती रही

हवलदार जयपाल सिंह का जन्म उत्तराखंड के हरिद्वार में हुआ था। माता सावित्री देवी और पिता भोपाल सिंह ने उन्हें अनुशासन, साहस और देशभक्ति के संस्कार दिए थे। वे स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हुए। उन्हें 17 गढ़वाल राइफल्स में शामिल किया गया था।

जब जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा तो सेना ने जयपाल को 14 आरआर में भेज दिया। वे साल 2002 में पुलवामा जिले के ऐथमुल इलाके में अपनी यूनिट के साथ तैनात थे। उस समय यह इलाका आतंकवादियों का गढ़ बना हुआ था। 13 अप्रैल को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि ऐथमुल के एक मकान में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद सेना ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

जयपाल को भी उस टीम में शामिल किया गया था। शाम लगभग सवा पांच बजे जवानों ने उस मकान की घेराबंदी कर दी। इस दौरान आतंकवादियों ने वहां से भाग निकलने की कोशिश की। उन्होंने जवानों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी भी की। इससे मुठभेड़ शुरू हो गई।

जयपाल ने अपने साथी जवानों को खास ठिकानों पर तैनात कर दिया था, जिससे आतंकवादियों के लिए सारे रास्ते बंद हो जाएं। सूरज ढल रहा था और अंधेरा होने वाला था, इसलिए आतंकवादियों का जल्दी खात्मा करना जरूरी था।

हवलदार जयपाल रेंगते हुए आतंकवादियों की ओर बढ़े। उधर, बुरी तरह घबराए आतंकवादी ग्रेनेड फेंक रहे थे। एक ग्रेनेड जयपाल के पास आकर फटा, जिससे वे घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वे लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। उन्होंने आतंकवादियों की ओर गोलीबारी जारी रखी। वे अपने एक साथी की मदद के लिए भी गए।

इस दौरान उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया। एक आतंकवादी ने उन पर ग्रेनेड फेंका। इससे जयपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके शरीर से खून बह रहा था, लेकिन वे आतंकवादियों पर गोलियां चला रहे थे।

हवलदार जयपाल के साहस और शौर्य के कारण वह अभियान सफल रहा। आतंकवादी मारे गए।

दु:खद यह रहा कि जयपाल को नहीं बचाया जा सका। वे भारत मां के लिए बलिदान हो गए। उन्होंने निडरता के साथ अपना कर्तव्य निभाया। उनके बलिदान को देशवासी नमन करते हैं। हवलदार जयपाल सिंह को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नौसेना के पूर्व अधिकारी तिवारी एक अन्य मामले में कतर की जेल में बंद, छुड़ाने के प्रयास जारी : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के एक पूर्व अधिकारी पुर्णेंदु तिवारी एक अलग मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण कारागार में हैं। वह, उन आठ लोगों में शामिल हैं जिनकी सजा 2023 में कतर की अदालत ने कम कर दी थी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने हालांकि तिवारी के परिवार द्वारा किए गए कुछ दावों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार पहले ही पूर्णेंदु तिवारी के क्षमादान का मुद्दा कतर सरकार के समक्ष उठा चुकी है और खाड़ी देश स्थित भारतीय दूतावास उनकी पत्नी के संपर्क में है तथा दूतावास के अधिकारियों ने जेल में उनसे कई बार मुलाकात की है।

तिवारी उन आठ पूर्व नौसेना कर्मियों में शामिल थे जिन्हें कतर के अधिकारियों ने 2022 में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

कतर की अदालत द्वारा सजा कम किए जाने के फैसले के बाद अन्य सभी कर्मचारी भारत लौट आए, लेकिन तिवारी कतर में ही हैं। जानकारी के मुताबिक, तिवारी पर उनके पूर्व नियोक्ता, ओमान स्थित दहरा इंजीनियरिंग एंड सिक्योरिटी सर्विसेज की सहायक कंपनी से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप है। तिवारी की बहन मीतू भार्गव ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार उनके भाई की वापसी सुनिश्चित करने में विफल रही। उन्होंने यहां तक कि दावा किया कि कतर के उच्च न्यायालय ने 12 मार्च को एक फैसले में उनके भाई पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और उन्हें निर्दोष घोषित किया। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, मीतू भार्गव का यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है। तिवारी को ओमानी मालिक और एक अन्य कतरी अधिकारी के साथ कतर की अदालत ने सजा सुनाई है।

इसने कहा, यह फैसला फरवरी 2026 में आया था। 12 मार्च का फैसला एक अलग मामला है जो कंपनी के ओमानी मालिक द्वारा तिवारी के खिलाफ दायर किया गया था। सूत्र ने बताया कि सरकार ने तिवारी को हमेशा हरसंभव मदद दी है और आगे भी देती रहेगी।

इसने कहा, दूतावास तिवारी की पत्नी के संपर्क में है और हमारे अधिकारी उनसे जेल में कई बार मिल चुके हैं। हमने क्षमादान के लिए भी मामला उठाया है।

सूत्रों ने बताया कि जिस मामले में तिवारी को सजा सुनाई गई है, वह उस मामले से अलग है जिसमें भारत सरकार के हस्तक्षेप के बाद उन्हें और अन्य को रिहा कर दिया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता में कहा, नौसेना के आठवें पूर्व अधिकारी के खिलाफ एक विशेष मामला दर्ज है। उन्हें उसी मामले में हिरासत में लिया गया है। इसका पहले वाले मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

भार्गव ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कमांडर तिवारी नौसेना के सम्मानित अधिकारी हैं। बिना किसी गलती के ऐसे अधिकारी को जेल, अपमान और पीड़ा देना एक गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत शनिवार को नई दिल्ली में तीन दिन के स्पेशल सेशन के दौरान पार्लियामेंट हाउस कॉम्प्लेक्स में।

'आखिर कब तक इंतजार', महिला आरक्षण कानून के पास न होने से निराश खुशबू पाटनी

मुंबई/एजेन्सी

लंबी बहस और मतभेदों के बीच शुक्रवार को संविधान का 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया। यह बिल महिला आरक्षण कानून में संशोधन लाने के लिए लाया गया था, लेकिन बिल को पास करने के लिए दो-तिहाई वोट की आवश्यकता होती है। बिल को पास कराने के पक्ष में 298 वोट और विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम है। कुल मिलाकर महिला आरक्षण कानून पास नहीं हो पाया। अब राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक हर कोई अपना पक्ष रख रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन और फिटनेस कोच खुशबू पाटनी ने बिल न पास होने पर दुख जताया है। खुशबू पाटनी ने विरोध दर्ज कराया है कि कब तक सिर्फ महिलाएं ही सहती रहेंगी और अपने अधिकारों से वंचित रहेंगी। खुशबू का कहना है कि सालों से महिलाओं के हक में लाए जा रहे बिल के बारे में सुना, लेकिन इतने साल बीत गए लेकिन बिल लागू नहीं हो पाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर सवाल किया कि कितना और इंतजार करना होगा। उन्होंने लिखा, कितना और इंतज़ार? कभी जनगणना ने रोका, कभी परिसीमन ने रोका, कभी किसी राजनीतिक बहस ने रोका। आज तक महिला आरक्षण बिल लागू नहीं हो सका। उन्होंने आगे लिखा, सबको पता है 2026 में परिसीमन फ्रीजिंग हट जाएगी, तब भी कोई समाधान नहीं। ये समस्या हमारी है या राजनीतिक पार्टियों की?? कितने साल और इंतजार करना होगा, 2035 तक। जब पैदा हुई तब सुना था, आज भी सुन ही रही हूं। ऐसा नहीं हो बुढ़ापे में भी सुनती रहूंगी। खुशबू पाटनी महिलाओं से जुड़े हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं।

पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए क्यूआर आधारित पहचान प्रणाली की शुरुआत

पहलगाम/भाषा। जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए एक विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली शुरू की है। पहलगाम पिछले साल लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के हमले से दहल गया था। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रणाली से वास्तविक और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं का आसानी से सत्यापन हो सकेगा, जिसमें व्यापारिक प्रतिष्ठान और बाहरी विक्रेता शामिल हैं। इस पहल को अनंतनाग जिले के लोकप्रिय पर्यटन रिसॉर्ट में आने वाले लोगों का भरोसा वापस लाने के लिए अधिकारियों का एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जहां पिछले साल 22 अप्रैल को भयावह आतंकी हमला हुआ था। बैसरन मैदान में हुए हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने कहा, हर सेवा प्रदाता की पुलिस ने ठीक से जांच की है, अधिकारियों ने उसे पंजीकृत किया है और उसे एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया गया है जिसमें उस व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी और अन्य विवरण होगा। अधिकारियों ने कहा कि जब पर्यटक अपने मोबाइल फोन से कोड स्कैन करते हैं, तो वे उस व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल एक उचित और पंजीकृत पहचान प्रणाली के रूप में कार्य करती है जो धोखाधड़ी को रोकेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति पर्यटन से जुड़े होने का दावा या काम नहीं कर रहा है।

सामने आई 'पति पत्नी और वो 2' की रिलीज डेट

मुंबई/एजेन्सी

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आयुष्मान खुराना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। इसमें अभिनेता जाल में फंसे दिख रहे हैं, जबकि चीता बाहर है। पोस्टर शेयर कर आयुष्मान ने लिखा, शिकारी खुद हो गया शिकार। अब जाल में फंस गए हमारे प्रजापति पांडे। हो जाओ 'पति पत्नी और वो दो' के लिए तैयार, क्योंकि यह 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक मजेदार रिलेशनशिप कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसमें आयुष्मान और सारा अली खान के साथ वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिका में हैं। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है जो प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मूवी आपको प्रजापति पांडे की दुनिया में लेकर जाएगी। इस कहानी में आपको ड्रामा, कॉमेडी और रोमांस का तड़का देखने को मिलेगा। इस फिल्म को भूषण कुमार और रेणु रवि चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' का सीक्वल है। इस फिल्म ने उस समय बॉक्स ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसे देखते हुए फिल्म को फिर से नई कहानी और किरदारों के साथ रिलीज किया जाएगा। देखना होगा कि दर्शक इस फिल्म को कितना प्यार देते हैं। 'पति पत्नी और वो' में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर, और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे, जो कानपुर के एक इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध और उसके बाद की कॉमेडी को दर्शाती है। यह एक हल्की-फुल्की फिल्म है जो वैवाहिक जीवन की जटिलताओं को दिखाती है। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म मॉडर्न जमाने के रिश्तों, रोमांस और गलतफहमियों पर आधारित थी।

फिल्म में कानपुर के एक सरकारी इंजीनियर (कार्तिक) की शादी (भूमि) से होती है, जो अपनी शादी से बोर होकर दूसरी महिला (अनन्या) की तरफ आकर्षित हो जाता है।

भक्ति में लीन दिखीं शिल्पा शेट्टी, त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार को शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा में स्थित प्रसिद्ध त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर के दर्शन किए। यह मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। इस खास पल को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी साझा किया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर शिल्पा ने वीडियो और फोटो पोस्ट की। वीडियो में वह देवी त्रिपुरासुंदरी की मूर्ति के सामने श्रद्धा भाव से पूजा करती नजर आ रही हैं। इसमें मंदिर के गर्भगृह की सुंदर झलक देखने को मिल रही है।

तस्वीर में शिल्पा अपनी दो करीबी दोस्तों के साथ खड़ी दिखाई दे रही हैं। तीनों पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। शिल्पा ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है।

इसके साथ लाइट ज्वेलरी और माथे पर बिंदी लगाकर अपने लुक को पूरा किया। मंदिर परिसर में दोस्तों के साथ उन्होंने कैमरे के लिए पोज दिया। अगर शिल्पा शेट्टी के करियर की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने साल 1993 में आई फिल्म 'बाजीगर' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह कई सफल फिल्मों में नजर आई। शिल्पा ने 'धड़कन', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'जानवर' और 'इंडियन' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने 'इंडियन पुलिस फोर्स' जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ओटीटी पर भी राज किया।

वह अब जल्द ही फिल्म 'केडी द डेविल' में नजर आने वाली हैं। यह 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर ड्रामा है। इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी के अलावा, ध्रुव सरजा, संजय दत्त, नोरा फतेही, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विजय की फिल्म 'जन नायकन' पर बड़ा फैसला, मद्रास हाईकोर्ट ने वेबसाइट और केबल टीवी रिलीज पर लगाई रोक

मुंबई/एजेन्सी

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता और टीवीके के प्रमुख विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने सख्त कदम उठाया है। अदालत ने इस फिल्म के डिजिटल और केबल टीवी रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह फैसला उस समय आया, जब फिल्म को लेकर पहले से ही सेंसर बोर्ड की प्रक्रिया और कानूनी विवाद चल रहे थे। दरअसल, फिल्म को पहले पोंगल के मौके पर रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन तभी सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) ने इसमें कुछ आपत्तियां उठाईं। बोर्ड का कहना था कि फिल्म में मिलिट्री से जुड़े कुछ सीन्स हैं और कुछ हिस्से ऐसे हैं, जो समाज में तनाव या गलत संदेश पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से फिल्म को सीधे सर्टिफिकेट देने की बजाय रिवाइजिंग कमेटी के पास भेज दिया गया, ताकि इसकी दोबारा जांच हो सके। इस फैसले से असंतुष्ट होकर फिल्म के निर्माताओं ने अदालत का रुख किया। पहले एक सिंगल जज ने सेंसर बोर्ड को आदेश दिया था कि फिल्म को तुरंत सर्टिफिकेट दिया जाए, लेकिन इस आदेश के खिलाफ अपील दायर की गई। इसके बाद एक डिवीजन बेंच ने सिंगल जज के आदेश को रद्द कर दिया और मामला फिर से उसी जज के पास भेज दिया, ताकि फिर से विचार किया जाए। इस कानूनी प्रक्रिया के चलते फिल्म की रिलीज लगातार अटकती चली गई। इसी बीच प्रोडक्शन टीम ने वह मामला वापस ले लिया, जो पहले सिंगल जज के सामने चल रहा था। इसके बावजूद, फिल्म सेंसर बोर्ड की रिवाइजिंग कमेटी के पास जांच में बनी रही। इसी दौरान फिल्म से जुड़ा एक नया विवाद सामने आया, जिसने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया।

प्रचार

एक्टर और भाजपा लीडर मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल असेंबली इलेक्शन से पहले दुर्गापुर वेस्ट असेंबली सीट से इगझ कैंडिडेट लक्ष्मण चंद्र घोरुई के सपोर्ट में शनिवार को पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में रोड शो किया।

अगले साल रिलीज होगी 'लव एंड वॉर', भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'लव एंड वॉर'... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की। इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'लव एंड वॉर' एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं। वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म 'सांवरिया' में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद फिर से काम कर रहे हैं। 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

'जगधात्री' में माया का किरदार मेरे जैसा ही : सायंतनी घोष

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन की दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो दर्शकों के दिलों में बस जाते हैं। खासतौर पर जब कोई किरदार भावनाओं, रिश्तों और संघर्षों से भरा हो, तो वह लोगों को अपनी जिंदगी से जुड़ा हुआ महसूस होता है। ऐसे ही एक मजबूत किरदार को इन दिनों दर्शक टीवी शो 'जगधात्री' में देख रहे हैं, जिसे अभिनेत्री सायंतनी घोष निभा रही हैं। इस बीच उन्होंने अपने किरदार और उससे जुड़ी भावनाओं को साझा किया। शो की कहानी इन दिनों एक अहम मोड़ पर है, जहां रिश्तों, सच्चाई और धोखे के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। हाल के एपिसोड्स में रुद्र (आयुष श्रीवास्तव) शिवाय पर गोली चला देता है। शिवाय का किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं। वहीं जगधात्री (सोनाक्षी बत्रा) को पूरा यकीन होता है कि इस हमले के पीछे रुद्र ही है। वह सच्चाई सामने लाने की कोशिश करती है, लेकिन उसके पास पुख्ता सबूत नहीं होते, क्योंकि रुद्र बेहद चालाकी से अपने सारे निशान मिटा देता है। इसी बीच माया देशमुख (सायंतनी घोष) का किरदार कहानी में एक अहम मोड़ लेकर आता है। माया, जो रुद्र की बहन है, अपने भाई के खिलाफ लगे आरोपों को मानने से साफ इनकार कर देती है। वह अपने परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहती है और किसी भी हाल में उसे टूटने नहीं देना चाहती। माया के दिल में जगधात्री और शिवाय के लिए भी इमोशन्स हैं, लेकिन इसके बावजूद

वह अपने परिवार को प्राथमिकता देती है।

सायंतनी घोष ने कहा, ''माया का रोल मेरे करियर के सबसे खास अनुभवों में से एक है। यह किरदार सिर्फ ऊपर से मजबूत नहीं दिखता, बल्कि इसके अंदर कई तरह की भावनाएं और उलझनें हैं। माया एक ऐसी महिला है, जो हर हाल में अपने परिवार की रक्षा करना चाहती है और यही बात मुझे इस किरदार से जोड़ती है। हाल के एपिसोड्स में जिस तरह माया अपने परिवार को बचाने के लिए हर हद तक जाने को तैयार दिखती है, वह मुझे बहुत करीब से महसूस होता है।'' सायंतनी ने कहा, ''असल जिंदगी में भी मैं अपने परिवार के लिए हमेशा खड़ी रहती हूं। जैसे माया मुश्किल समय में मजबूत रहती है, वैसे ही मैं खुद भी कठिन परिस्थितियों में हिम्मत नहीं हारती हूं।

माया के कुछ गुण ऐसे हैं, जिन्हें मैं अभी सीख रही हूं। एक कलाकार को इस तरह के किरदार बहुत कम मिलते हैं, जो इतना कुछ सिखाते हैं।'' उन्होंने आगे कहा, '''जगधात्री' जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी खास है, क्योंकि इसकी कहानी अलग और नई सोच के साथ पेश की गई है। यह शो रिश्तों और फैसलों की जटिलता को दिखाता है। यही वजह है कि मैं अपने काम से ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हूं और हर दिन कुछ नया सीखती हूं।'' आने वाले एपिसोड्स में कहानी और भी दिलचस्प होने वाली है। जगधात्री रुद्र के खिलाफ सबूत जुटाने की कोशिश करती नजर आएगी और साथ ही मूसा को ढूंढने की भी कोशिश करेगी। लेकिन कहानी में एक नया मोड़ तब आता है, जब शिवाय खुद पुलिस को बता देता है कि रुद्र ने उसे गोली नहीं मारी। इस बयान के बाद मामला और उलझ जाता है।

वैश्विक अनुसंधान और नवाचार भारत के महाशक्ति बनने की यात्रा के केंद्र है : डॉ. शिवकुमार कल्याणरामन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कट्टनकुलथुर स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) के अनुसंधान निदेशालय द्वारा रिसर्च डे 2026 का आयोजन किया गया , जिसमें शिक्षा जगत, सरकार और उद्योग के प्रतिष्ठत व्यक्ति सम्मिलित हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शिवकुमार कल्याण रामन उपस्थित थे कार्यक्रम की अध्यक्षता एसआरएमआईएसटी के प्रो-चांसलर (अकादमिक) डॉ. पी. सत्यनारायणन ने किया इस अवसर पर कुलपति प्रो. सी. मुथामिझचेलवन; रजिस्ट्रार डॉ. एस. पोनुसामी; डॉ. नितिन एम. नागरकर, प्रो वाइस-चांसलर (एमएचएस); प्रो. ए. विनय कुमार, प्रो वाइस-चांसलर(एफएसएच और प्रबंधन); प्रोफेसर वाई. एस. आर. मूर्ति, प्रो-वाइस चांसलर (कानून); डॉ. लीनस जेसु मार्टिन, डीन (इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी); डॉ. बर्नार्डशॉनेप्पोलियन, डीन (रिसर्च); और डॉ. बी. वेंकटचलपथी, रिसर्च प्रोफेसर, सहित वरिष्ठ नेतृत्व, संकाय, शोधकर्ता और छात्रगण उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शिवकुमार कल्याणरामन ने भारत को एक वैश्विक अनुसंधान और नवाचार महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने इस अवसर पर कहा कि एएनआरएफ आज बड़े पैमाने पर उद्योग-संबद्ध पहलों को फंडिंग सहित अनेक अवसरों को उपलब्ध करा रहा है उन्होंने संस्थानों को उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया, जो सामाजिक और आर्थिक मूल्य में परिवर्तित हो सके।

एसआरएमआईएसटी के प्रो-चांसलर डॉ. पी. सत्यनारायणन, ने इस अवसर पर कहा कि पीएम अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट प्राप्त करना एसआरएमआईएसटी में हमारी उत्कृष्टता के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि यह हमारे संकाय की वैज्ञानिक क्षमता को उजागर करता है और हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को हल करने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को भी पुनः पुष्टि करता है।इस अवसर पर कुल 145 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिनमें 54 छात्र स्वर्ण पदक और 62 रजत पदक विजेता शामिल है जबकि 26 संकाय सदस्यों को स्वर्ण पदक और 3 को रजत पदक प्रदान किए गए।

तमिलनाडु के तटीय इलाकों में गर्मी और उमस से बढ़ सकती है परेशानी

पश्चिमी घाट में हल्की बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान और उच्च आर्द्रता के स्तर के संयोजन से अगले कुछ दिनों में तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में असुविधा होने की संभावना है और पश्चिमी घाट में हल्की बारिश होने की संभावना है। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य भर में मौसम की स्थिति में भिन्नता रहने की संभावना है, आंतरिक क्षेत्रों में गर्मी बढ़ने की संभावना है, जबकि कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। केंद्र ने बताया है कि तमिलनाडु के आंतरिक इलाकों में कई स्थानों पर 19 अप्रैल तक अधिकतम तापमान सामान्य स्तर से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

इसके विपरीत, पुडुचेरी और कराईकल सहित तटीय जिलों में तापमान सामान्य के करीब रहने की उम्मीद है। हालांकि, इन क्षेत्रों में व्याप्त उच्च आर्द्रता के कारण स्थितियां असहज होने की संभावना है, खासकर दिन के समय। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि ऐसी संयुक्त परिस्थितियां कुछ अलग-थलग क्षेत्रों में गर्मी के तनाव का कारण बन सकती हैं। इस बीच, कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 21 अप्रैल तक पश्चिमी घाट के जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश का पूर्वानुमान लगाया है।

इसी तरह की छिटपुट बारिश डेल्टा जिलों, दक्षिणी तटीय तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और कराईकल क्षेत्र में भी होने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि बारिश की तीव्रता काफी कम और छिटपुट होगी, और इससे राज्य भर में व्याप्त गर्मी की स्थिति में कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं है। हालांकि, पश्चिमी घाट क्षेत्र में छिटपुट बारिश से उन क्षेत्रों में तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। चेन्नई में आने वाले दिनों में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। शहर में अधिकतम तापमान लगभग 99 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 3% डिग्री सेल्सियस) के आसपास रहने की आशंका है, और उच्च आर्द्रता के कारण उमस भरी स्थिति बनी रहेगी। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने निवासियों, विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों में रहने वालों को, गर्मी से होने वाली असुविधा से बचने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, सीधी धूप में लंबे समय तक रहने से बचने और दिन के ठंडे समय में बाहरी गतिविधियों की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। गर्मी और उमस के दोहरे प्रभाव के बने रहने के कारण, मौसम अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर आगे की जानकारी जारी करने की उम्मीद है।

एएम जैन कॉलेज में दीक्षांत समारोह का आयोजन

1400 से अधिक छात्रों ने प्राप्त की स्नातक की उपाधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मीनामबक्कम स्थित अगरचंद मानमल जैन (एएम जैन) कॉलेज में 50वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर विषयों के 1400 से अधिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, इस समारोह में 2024 बैच के शीर्ष 10 रैंकों में स्थान प्राप्त करने वाले 34 से अधिक विश्वविद्यालय रैंक धारक भी उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इसरो उपग्रह केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. मैलस्वामी अन्नादुरई उपस्थित थे उन्होंने स्नातक छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। दो दिनों तक चले इस कार्यक्रम में तीन सत्रों में आयोजित दीक्षांत समारोह के पहले सत्र में मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति हरि परंथमन, एएमजेसी के पूर्व छात्र एवं डेक्सियन के उपाध्यक्ष रणनीतिक पहल और संचालन प्रमुख कुमार राजगोपालन, मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में ए एम जैन कॉलेज के सचिव उधन कुमार चोरडिया, हेमंत पी. चोरडिया, सह सचिव; डॉ. एम.एम. राम्या, डीन; डॉ. एम. अनंतनारायणन, उप प्रधानाध्यापक डॉ. आर. सुरेखा, उप डीन, ब छात्र, शिक्षक और कई अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. मैलस्वामी अन्नादुराई ने इस अवसर पर स्नातक छात्रों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उन्हें आत्मविश्वास और उद्देश्य की भावना के साथ भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों से बड़े सपने देखने, जिज्ञासु बने रहने और सार्थक प्रभाव पैदा करने वाले नवाचारों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया, साथ ही उन्हें याद दिलाया कि सच्ची सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि में नहीं, बल्कि विचारशील और उद्देश्यपूर्ण कार्य के माध्यम से समाज में योगदान देने में निहित है।

एएम जैन कॉलेज के हेमंत पी. चोरडिया ने स्नातक छात्रों को उनकी गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी उन्होंने इस अवसर पर कहा कि कॉलेज में, हमने अग्रणी संगठनों के साथ किए गए समझौता ज्ञापनों सहित सार्थक पहलों के माध्यम से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए निरंतर प्रयास किया हैं, जो मूल्यवान इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

इसके साथ ही, हमारा सुनियोजित सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण यह सुनिश्चित करता है कि आप न केवल अकादमिक रूप से मजबूत हों, बल्कि सफलता के लिए आवश्यक संचार, नेतृत्व और व्यावसायिक कौशल से भी परिपूर्ण हों।

परिसीमन पर छिड़ी रार, बीजेपी ने द्रमुक को घेरा; बताया राज्य के साथ 'विश्वासघात'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और डीएमके सरकार पर राज्य के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का बड़ा आरोप लगाया है। भाजपा का दावा है कि मोदी सरकार की परिसीमन योजना से तमिलनाडु की लोकसभा सीटें 39 से बढ़कर 59 हो सकती हैं। भाजपा के अनुसार, डीएमके सांसद विल्सन के निजी विधेयक और स्टालिन की नीतियों के चलते तमिलनाडु को 6 सीटें गंवानी पड़ सकती हैं, जिससे राज्य का प्रभाव केंद्र में कम होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके महिलाओं को 33प्रतिशत आरक्षण देने की राह में रोड़े अटका रही है। विपक्ष पर उत्तर-दक्षिण के नाम पर देश की अखंडता को खतरे में डालने और राजनीतिक लाभ के लिए भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। मोदी सरकार हर राज्य में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाकर तमिलनाडु को 20 नई सीटें देने की तैयारी में है, जिसे डीएमके विफल करना चाहती है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि डीएमके का यह 'विश्वासघात' आगामी विधानसभा चुनावों में उसकी हार का कारण बनेगा और राज्य की महिलाएं इसका करारा जवाब देंगी।

प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शनिवार को अय्या मुदली स्ट्रीट में एक प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करते प्रतिनिधि को डॉ. धींग ने अपनी संपादित पुस्तक 'जैनिज्म एंड इट्स हिस्ट्री' भेंट की। चुनाव की तिथि नजदीक आने के साथ ही प्रत्याशी और उनके परिजन, प्रतिनिधि एवं समर्थक गली-गली, घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। साहुकारपेट क्षेत्र में विशेष बात यह है कि रिकॉर्डेड संदेश और व्यक्तिगत आग्रह में हिंदी में भी मतदान की अपील की जा रही है।

सहज स्मृति योग

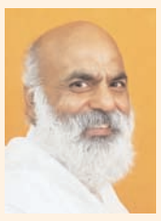

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैंने बायोलॉजी से बारहवीं की परीक्षा दी है। मुझे पता है कि मेरा रिज़ल्ट अच्छा आएगा इसलिए उसकी चिंता नहीं है मुझे। कंप्टीशन से भी डर नहीं है, मेडिकल प्रोफेशन में अपनी जगह बना ही लूंगी मैं। मेरे पास सबकुछ अच्छा है लेकिन, दुनियाँ को देखकर एक अजीब सा ख़ालीपन रहता है मुझमें। पूरी दुनियाँ में कोई ऐसा नहीं जो मुझे आदर्श लग पाए। इस ख़ालीपन से कैसे निपटूँ मैं?

उत्तर: अर्थहीनता, रिक्तता, अलगाव, ख़ालीपन, व्यर्थता बोध ये सब शब्द एक ही भाव की ओर संकेत करते हैं और यह वह भाव है जो मानव के मनोविज्ञान और उसके मानव जीवन मूल्यों के साथ सम्बन्ध के बारे में स्पष्टता न होने से उत्पन्न होता है। इससे निपटने के लिए आप शाश्वत जीवन मूल्यों का मानव जीवन के साथ जो सम्बन्ध है उस सम्बन्ध की प्रकृति का अध्ययन कीजिए और उस सम्बन्ध बोध से प्राप्त हुई दृष्टि से अपने स्वभाव का दर्शन कीजिए। स्वभाव का दर्शन कर उसी के अनुसार वर्तिए अर्थात अपना पारस्परिक दैनंदिन व्यवहार कीजिए। तब आपका ख़ालीपन जाता रहेगा। आदर्श का अर्थ होता है ऐसा दर्पणवत व्यवहार जिसमें अनवरत आत्म दर्शन सम्भव बना रहता है। ऐसा कर पाएँ तो आप स्वयं को ही आदर्श में रूपांतरित हुआ पा सकतीं हैं। तब आपको दिखेगा कि आप से पूर्व जैसे ऐसे बहुत से लोग हुए हैं जिनके चरित्र आदर्श रहे वैसे ही अब आपकी बारी है। इस बोध से आपका न केवल खालीपन जाता रहेगा बल्कि विनयशीलता, सहजता और सरसता भी आपके अनुभव में आएगी।

स्वाभिमान का कोई तोल-मोल नहीं : विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के शांतिनाथ वर्षीतप आयोजन समिति की ओर से गदग के उत्सव भवन में पारणा महोत्सव का आयोजन किया गया। शनिवार को देश के अनेक गांवों-शहरों से आए श्रद्धालुओं को महोत्सव का मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि श्रद्धा और स्वाभिमान अमूल्य तत्व हैं। ये हर किसी में पाए नहीं जाते। आधुनिक युग में तो मोल-तोल से हर कोई बिक जाता है। लेकिन कुछ विरले लोग होते हैं जो सिद्धांतों के अनुसार जीते हैं, वे बिकाऊ नहीं होते। उन्हें किसी तुर्रम खां की भी परवाह नहीं होती। हकीकत में जिंदगी छोटी भी हो, पर स्वाभिमान से भरपूर होनी चाहिए। पुराने लोग बहुत स्वाभिमानी होते थे। वे सब-कुछ सह लेते थे, पर किसी के एहसानमंद नहीं होते थे। मांग-मांगकर मिठाइयां और पकवान खाने की बजाय स्वयं के परिश्रम की दो सूखी रोटियां खाकर जी लेना अधिक श्रेष्ठ होता है। वह निष्ठाभावना और स्वाभिमान का परिचायक है।

जैनाचार्य ने कहा कि आधुनिक युग में समर्थ लोगों की चापलूसी का बोलबाला है। जो बाहुबलियों के पैरों में बैठे रहकर, उनकी हां में हां मिलाते हैं, उनको खैरात मिलती हैं। इसमें अपने खुद का कुछ नहीं बचता। सब कुछ नीलाम करके ही हम अपने कुछ स्वार्थ पूरे कर सकते हैं। आजकल समाज में समर्थ लोगों के समक्ष सज्जन और गुणवान लोग बहुत कमजोर होते जा रहे हैं। कभी समाज में गुणों की पूजा होती थी। सज्जनों को बहुत आदर-सम्मान मिलता था। आज धन भगवान बन गया है। इस युग में शक्ति, संपत्ति और सत्ता की पूजा होती है। दुर्जन लोग सज्जनों पर हावी रहते हैं। जहां देखो वहां, बुद्धि का भरपूर दुरुपयोग होता है। ऐसी परिस्थिति में अपने स्वाभिमान की रक्षा करना सरल नहीं होता।

शनिवार को वैशाख माह के शुभारंभ के अवसर पर नवनिर्मित मुनिसुव्रत जिनालय में बीसवें तीर्थंकर मुनिसुव्रतस्वामी और शनिग्रह का विशेष पूजन अनुष्ठान आयोजित किया गया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में भोरवेला में सैकड़ों साधक विविध पूजन सामग्री के साथ इसमें सम्मिलित हुए। प्राचीन मंत्र विद्याओं और मुद्राओं के द्वारा अनेक मंगल विधान संपन्न हुए। गणि पद्मविमलसागर ने बताया कि जैनाचार्य की प्रेरणा से उनकी जन्मभूमि हिरियूर में सामूहिक वर्षीतप का पारणा महोत्सव आयोजित हो रहा है।

बाल शिक्षण संस्कार शिविर में 1200 बच्चों ने सीखे जैन सिद्धांत एवं संस्कार

स्वाध्याय संघ ने विभिन्न संघों के साथ मिलकर किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा आयोजित दस दिवसीय बाल शिक्षण संस्कार शिविर का आयोजन बागलकोट, दोड्डबलापुर, केजीएफ सहित कुल 22 केंद्रों पर किया गया जिसका 21 केंद्रों पर एक साथ शनिवार को समापन हो गया। शिविर में कुल 1200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर जैन धर्म के सिद्धांतों तथा जीवन निर्माण के संस्कारों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्वाध्याय संघ के 135 अध्यापकों ने कड़ा परिश्रम करके बालक बालिकाओं के जीवन में संस्कारों का बीजारोपण किया। जैन धर्म के सूत्रों एवं तत्त्वों का अध्ययन करवाने के साथ-साथ आहार विवेक, माता-पिता की सेवा, दैनिक धर्माराधना, आधुनिक उपकरणों के साथ मर्यादित आचरण आदि संस्कारों का प्रायोगिक अभ्यास करवाया गया। शनिवार को समापन समारोह में संजयनगर, यशवंतपुर, मल्लेश्वरम, श्रीरामपुरम, राजाजीनगर, विजयनगर, ईटा गार्डन, पुष्कर भवन, पार्क वेस्ट, राजराजेश्वरीनगर, चामराजपेट, हनुमंतनगर, त्यागराजनगर, जयनगर, शांतिनगर, शूले, अलसूर, फ्रेजर टाउन, केजीएफ, दोड्डबलापुर एवं बागलकोट क्षेत्रों में शिविर के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और विभिन्न प्रकार की धार्मिक तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। ङ्कस्वाध्याय संघ के अध्यक्ष भंवरलाल कवाड़, उपाध्यक्ष पारसमणि रूणवाल, राजेन्द्रकुमार चोरड़िया, मंत्री मीठालाल पटवा, सहमंत्री अभय कुमार बांठिया व जवेरीमल पालगोता, कोषाध्यक्ष पन्नालाल कोठारी आदि सहित अनेक वरिष्ठ स्वाध्यायियों के नेतृत्व में अलग अलग क्षेत्रों में समापन समारोह आयोजित किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सांस्कृतिक उत्सव 'जेनेसिस'

बेंगलूरु के सेंट एंथोनी महाविद्यालय केंगेरी में अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव 'जेनेसिस-2026' का आयोजन किया गया जिसमें अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, दृढ़ संकल्प कड़ी मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच सफलता का मंत्र है। महाविद्यालय प्रबंधन ने मुणोत को सम्मानित किया।

दोड्डबलापुर में पहली बार आयोजित बाल शिक्षण संस्कार शिविर संपन्न

दोड्डबलापुर/दक्षिण भारत। शहर के जैन स्थानक भवन में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा पहली बार आयोजित बाल शिक्षण संस्कार शिविर संपन्न हुआ। पदमाबाई कांकरिया, नीताबाई कांकरिया एवं ऋषभकुमार कांकरिया के शिविर में 33 बच्चों ने प्रशिक्षण लिया। इस समापन समारोह में स्वाध्याय संघ के वरिष्ठ स्वाध्यायी पुखराज कोठारी, युवा स्वाध्यायी अशोककुमार गन्ना व स्वाध्याय संघ के अध्यापकों को सम्मानित किया गया। स्वाध्याय संघ द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद बोहरा ने सबका स्वागत किया और संघ के मंत्री रमेश कवाड़ ने धन्यवाद दिया। ललित कुमार बोहरा ने अपने विचार व्यक्त किए। महेश कुमार कांकरिया ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.